साांध्य दैनिक
4PM

दुनिया में किसी भी व्यक्ति को भ्रम में नहीं रहना चाहिए। बिना गुरु के कोई भी दूसरे किनारे तक नहीं जा सकता है।
–गुरुनानक देव

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 173 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 29 जुलाई, 2022

अब अस्पताल में भर्ती मरीजों का... 7 | दलित, ओबीसी या ब्राह्मण चेहरा... 3 | अग्निवीर योजना युवाओं के साथ... 2

बारिश में बाघों की अठखेलियां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आज पूरी दुनिया में विश्व बाघ दिवस मनाया जा रहा है। यूपी की राजधानी लखनऊ के नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान में आज बाघों को देखने के लिए पर्यटक पहुंचे। बारिश के मौसम के बीच बाघों ने भी दर्शकों को निराश नहीं किया और अपनी अठखेलियों से लोगों का मन मोह लिया। गौरतलब है कि बाघों को संरक्षण देने और उनकी प्रजाति को विलुप्त होने से बचाने के लिए दुनिया भर में 29 जुलाई को विश्व बाघ दिवस मनाया जाता है।

फोटो: सुमित कुमार

सांसदों के निलंबन और महंगाई पर संसद में विपक्ष का हंगामा

» लोक सभा और राज्य सभा की कार्यवाही सोमवार सुबह तक स्थगित

» राष्ट्रपति पर टिप्पणी को लेकर कांग्रेस से माफी मांगने की मांग कर रही भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र का दसवां दिन भी भारी हंगामे की भेंट चढ़ गया है। सांसदों के निलंबन, बढ़ती महंगाई और कांग्रेस के अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी व स्मृति ईरानी के बीच नोक-झोंक समेत कई मुद्दों को लेकर विपक्ष ने आज भी लोक सभा और राज्य सभा में जमकर हंगामा किया। हंगामे को देखते हुए दोनों सदनों की कार्यवाही सोमवार सुबह तक स्थगित कर दी गयी है।

लोक सभा की कार्यवाही आज एक बार फिर हंगामे के साथ शुरू हुई। लोक सभा में सांसदों के निलंबन, सोनिया गांधी व स्मृति ईरानी के बीच नोक-झोंक, महंगाई और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर विपक्षी दलों के सांसदों ने हंगामा किया। इसके बाद लोक सभा की कार्यवाही को दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दिया गया। इसके बाद जैसे ही फिर कार्यवाही शुरू हुई हंगामा शुरू हो गया। इस पर स्पीकर ने लोक सभा की कार्यवाही सोमवार यानी 1 अगस्त सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। राज्य सभा में भी विपक्ष के विरोध के कारण सदन की कार्यवाही को स्थगित कर दिया गया। कांग्रेस सांसद मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, अधीर रंजन चौधरी माफी मांग चुके हैं। इसके बावजूद भाजपा सोनिया गांधी से माफी की मांग कर रही है।

संसद परिसर में निलंबित सांसदों का धरना जारी

संसद के मानसून सत्र का आज 10वां दिन है। इस बीच लोक सभा और राज्य सभा से कुछ सांसदों को निलंबित कर दिया गया है। अब ये सांसद संसद भवन परिसर में गांधी प्रतिमा के पास धरने पर बैठे हुए हैं।

शाह और ईरानी ने की राष्ट्रपति से मुलाकात

राष्ट्रपति पर विवादित बयान पर मचे हंगामे के बीच गृहमंत्री अमित शाह और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने अलग-अलग राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात की। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने मंत्रिमंडल में अपने साथी डॉ. महेंद्र मुंजपारा और जॉन बारला के साथ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। स्मृति ने इसे सौहार्द भेंट बताया है।

राष्ट्रपति पर की गयी टिप्पणी पर भाजपा भड़की

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने ट्वीट कर कांग्रेस पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सांसद ने ऐसा इसलिए बोला क्योंकि राष्ट्रपति मुर्मू एक गरीब, आदिवासी पृष्ठभूमि से आती हैं। यह कांग्रेस की वंशवादी राजनीति के लिए खतरा है इसलिए कांग्रेस नेता माफी मांगने के बजाय इसका बचाव कर रहे हैं।

उनके खिलाफ नारे लगा रही है। यह जानबूझ कर किया जा रहा है, जिससे महंगाई, बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर चर्चा से बचा जा सके। इसके पहले कांग्रेस सांसद के.सुरेश ने लोक सभा में स्थगन प्रस्ताव नोटिस दिया था। गुरुवार का दिन भी हंगामे की भेंट चढ़ गया था, जब कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी की राष्ट्रपति पर टिप्पणी के बाद भाजपा माफी की मांग कर रही थी।

स्मृति की बेटी से जुड़ा ट्वीट करें डिलीट, जवाब के साथ हों हाजिर : हाईकोर्ट

» कांग्रेस नेता पवन खेड़ा, जयराम रमेश समेत तीन को जारी किया समन, अगली सुनवाई 18 को

» केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी की मानहानि की याचिका पर हाईकोर्ट ने दिए निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी द्वारा दायर मानहानि की अर्जी पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश, पवन खेड़ा और नेट्टा डिसूजा को समन जारी कर अगली सुनवाई में जवाब के साथ हाजिर होने का आदेश दिया है। साथ ही कोर्ट ने पवन खेड़ा को उस ट्वीट को हटाने का भी आदेश दिया है, जिसमें उन्होंने स्मृति ईरानी की बेटी पर अवैध लाइसेंस द्वारा बार चलाने का आरोप लगाया था।

स्मृति ईरानी की ओर से कोर्ट को बताया गया कि जिस बार का जिक्र कांग्रेस नेता बार-बार कर रहे हैं उससे उनकी बेटी का कोई रिश्ता या लेना देना नहीं है। दुर्भावना से उस बार के साथ मेरी बेटी का नाम जोड़ा गया है। इस मामले में आधारहीन और मनगढ़ंत आरोप लगाए हैं। दिल्ली हाईकोर्ट ने पवन खेड़ा को बार लाइसेंस विवाद के आरोपों पर अपमानजनक ट्वीट को तुरंत हटाने का निर्देश दिया है। इस मामले में 18 अगस्त को अगली सुनवाई होगी। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी द्वारा दाखिल सिविल मानहानि के मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने कांग्रेस नेता जयराम नरेश, पवन खेड़ा और नेट्टा डिसूजा को समन जारी कर अगली सुनवाई में जवाब के साथ हाजिर होने को कहा है। मानहानि का सिविल सूट होने की वजह से समन भी जारी किया गया है।

क्या है मामला

कांग्रेस ने केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी की बेटी के गोवा स्थित रेस्त्रां को लेकर हमला साधा था। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा था कि वह जिस पार्टी से जुड़ी हैं, उनकी बेटी भी बहुत संस्कारी होनी चाहिए लेकिन वो गोवा में एक रेस्टोरेंट चला रही है, जिसने 13 महीने पहले मरे हुए एक शख्स के नाम पर फर्जी लाइसेंस हासिल किया है।

उद्योगपतियों के सहारे आगे बढ़ रही भाजपा

अग्निवीर योजना युवाओं के साथ धोखा : अखिलेश

» महंगाई को लेकर केंद्र व प्रदेश की सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार को गरीब विरोधी सरकार बताया। कहा कि यह देश की पहली ऐसी सरकार है जो दूध-दही पर भी टैक्स लगा रही है। यह उद्यमियों की सरकार है और केवल उद्योगपतियों के सहारे आगे बढ़ना चाहती है। अग्निवीर योजना लाकर नौजवानों के साथ खिलवाड़ कर रही है। उन्होंने कहा कि योजना का विरोध करने में जो जेल गए हैं उसकी बात सदन में उठाएंगे और फर्जी मुकदमों को वापस लेने की बात उठाया जाएगा। अखिलेश यादव जौनपुर जिले के बरसठी के खुआंवा गांव में स्व. हंसराज जगनंदन यादव की पुण्यतिथि कार्यक्रम में हिस्सा लेने आए थे।

उन्होंने कहा अभी तक भाजपा ने जितने फैसले लिए हैं, वो जनता के खिलाफ हैं। इस सरकार में इतना भ्रष्टाचार हो रहा कि कि कल्पना भी नहीं कर सकते। कहा कि सरकार के अंदर के लोग ही सवाल खड़े कर रहे हैं। आज डीएपी, खाद, सिलिंडर का भाव आसमान पर पहुंच गया है। डॉलर के मुकाबले रुपया लगातार गिरता जा रहा है। अखिलेश ने कहा, बुंदलेखंड एक्सप्रेस-वे परियोजना प्रदेश की सबसे बड़ी परियोजना है। इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। बारिश होते ही एक्सप्रेस-वे पर जगह-जगह गड्ढे हो गए। लोगों की जान जा रही है। एक्सप्रेस-वे के निर्माण में मानकों का पालन नहीं किया गया। जब सड़क बनाने वाले इंजीनियर से ही पैसे लेंगे तो सड़कें कैसी बनेंगी। अखिलेश यादव ने कहा कि ईडी कोई नई चीज नहीं हैं। वो थाने की तरह हो गई है।

नौकरी के नाम पर सरकार कर रही खिलवाड़

सपा अध्यक्ष ने कहा कि अग्निपथ योजना का हम विरोध करते हैं। सरकार अग्निवीर योजना लाकर नौजवानों के साथ खिलवाड़ कर रही है। नौजवान का सपना है वह देश के लिए कुर्बान हो जाएं, लेकिन सरकार उन्हें मौका नहीं दे रही है। हमारे देश को सुरक्षा चाहिए इसलिए परमानेंट नौकरी की व्यवस्था होनी चाहिए। अखिलेश ने कहा कि इस सरकार में नौकरी के नाम पर भी खिलवाड़ किया जा रहा है। 22 करोड़ बेरोजगारों ने फार्म भरा और सिर्फ 7 लाख लोगों को ही नौकरी मिल पाई। अखिलेश यादव ने कहा कि जौनपुर समाजवादियों का गढ़ है। जिले की जनता ने पिछले चुनाव में मतदान कर ऐतिहासिक जीत दिलाई है। जौनपुर सदर, बदलापुर, शाहगंज, मड़ियाहूं सीट पर कम वोटों से हराए गए हैं। जो हारे हैं तो गिनती में हारे हैं। हम हारे हैं लेकिन हमारे कार्यकर्ता हारे नहीं है। कहा कि इस चुनाव में जो कमी थी उसे आने वाले लोकसभा चुनाव में पूरा किया जाएगा।

राजभर के अंदर किसी दूसरे की आत्मा आ गई

सपा मुखिया ने आगे कहा कि भाजपा विपक्ष को बांटकर और डरा कर रखना चाहती है। हो सकता है कि ओम प्रकाश राजभर को भी कोई डर हो, जिसके कारण हमारा गठबंधन टूट गया। अब तो लगता है कि ओम प्रकाश राजभर के अंदर किसी दूसरे की आत्मा आ गई है। जो अब झाड़-फूंक करवाने पर ही निकलेगी। राजभर की सुरक्षा को लेकर किए गए सवाल पर अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा को जो खुश रखेगा, उसे सुरक्षा मिलेगी। शिवपाल को लेकर बोले, उन्हें अगर लगता है कि मैं चाचा का सम्मान नहीं कर पा रहा हूं। इसलिए उन्हें स्वतंत्र कर दिया हूं। लेकिन वह अपनी अलग से पार्टी बनाकर किसानों, असहाय, गरीबों की सेवा करें।

कहां है महंगाई, भाजपा के लोगों की इनकम बढ़ी है : आजम खां

» सपा के वरिष्ठ नेता ने किया अखिलेश का बचाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) नेता आजम खान ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का बचाव किया है। मुरादाबाद में आजम खान ने कहा कि इस बार जब वह अखिलेश यादव से मिलेंगे तो उन्हें तीर कमान देंगे और उनसे कहेंगे जो उनके ऊपर निशाना लगा रहा है, वो उस पर निशाना लगाएं। दरअसल, सपा नेता आजम खान मुरादाबाद की एमपी एमएलए कोर्ट में अपने विधायक बेटे अब्दुल्ला आजम खां के साथ पेश होने पहुंचे थे।

इस दौरान आजम खान से ईडी की छापेमारी पर सवाल पूछा गया था तो उन्होंने कहा कि हम देखते ही नहीं है, चश्मा लगा हुआ है, अंधे हैं, कान नहीं है, बहरे हैं, जुबान नहीं है, गूंगे हैं। महंगाई के सवाल पर सपा नेता आजम खान ने कहा कहां है महंगाई? देखिए जहां आमदनी ज्यादा हो गई, वहां महंगाई से फर्क ही नहीं पड़ता, अब यह सब जितने बच्चे खड़े हैं, इन सब बच्चों की पांच-पांच लाख आमदनी होगी, आमदनी ज्यादा हो तो महंगाई पता नहीं चलती, हमारे यहां पर कैपिटा इनकम इतनी ज्यादा है कि महंगाई कुछ है ही नहीं। उत्तर प्रदेश प्रदेश में समाजवादी पार्टी नहीं बनने पर सपा नेता आजम खान ने तंज भरे अंदाज में कहा सरकार तो नहीं बनी दोस्त, हम सिकंदर तो हो नहीं पाए, बंदर जरूर बन गए। कभी रामपुर कोर्ट में कभी मुरादाबाद में कभी मुंबई में कभी लखनऊ में फिरोजाबाद में मदारी के बंदर हो गए। न ही मेरी खोपड़ी में बुद्धि है, न ही आंखों में रोशनी, न ही मुंह में जुबान, जन्म से अंधा नहीं हूं, हालात से अंधा हूं।

अब एमएसएमई इकाइयों को मिलेगा प्रोडक्शन लिंक्ड इन्सेंटिव

» केंद्र सरकार की योजना को यूपी में भी लागू करने की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। घरेलू उद्योग को बढ़ावा देने में केंद्र सरकार के सफल प्रयासों को देखते हुए योगी सरकार यहां भी प्रोडक्शन लिंक्ड इन्सेंटिव (पीएलआई) देने का मन बना चुकी है। सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम को वित्तीय प्रोत्साहन देने के साथ बड़े निवेश को आकर्षित कर अर्थव्यवस्था एक ट्रिलियन डालर तक पहुंचाने के लिए सरकार पीएलआई योजना को यहां लागू करेगी।

नई बनाई जा रही एमएसएमई नीति में इसे शामिल करने के लिए प्रारूप लगभग तैयार कर लिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की अर्थव्यवस्था एक ट्रिलियन डालर बनाने का लक्ष्य तय किया है। इसके लिए उद्योगों को हर संभव प्रोत्साहन देने का प्रयास है किया जा रहा है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ एमएसएमई क्षेत्र को माना जाता है, क्योंकि देश में सर्वाधिक 90 लाख से अधिक इकाइयां यहीं हैं। एक जिला एक उत्पाद योजना 2018 में शुरू कर योगी सरकार ने छोटे उद्योगों को पूंजी और कौशल विकास का सहारा दिया तो एमएसएमई के निर्यात में उछाल आया।

32 नगरीय निकायों के अध्यक्षों पर कार्रवाई की तैयारी

» योगी सरकार ने तैयार की लिस्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश सरकार नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायतों में चल रही धांधली व इसको बढ़ावा देने वाले अध्यक्षों कड़ा रुख अपनाने जा रही है। सरकार ऐसे अध्यक्षों के खिलाफ कार्रवाई करने की तैयारी कर रही है जो लोकायुक्त, सतर्कता या ईओडब्ल्यू जैसी जांचों में आरोपित पाए गए हैं। वर्ष 2017 में 653 नगरीय निकायों में चुनाव हुए थे। इसमें 16 मेयर, 199 पालिका परिषद अध्यक्ष एवं 429 नगर पंचायत अध्यक्ष का चुनाव हुआ था।

इस साल के अंत में नगरीय निकाय चुनाव फिर होने हैं। नगर विकास विभाग

के पास 32 से अधिक नगरीय निकायों के अध्यक्षों के खिलाफ गंभीर शिकायतें प्राप्त हुईं हैं। अधिकतर मामलों में सरकारी पैसों की बंदरबांट की गई है। कुछ ने अपने परिवारवालों को ठेका और नौकरी देने जैसी शिकायतें भी की हैं। कुछ मामले सतर्कता, ईओडब्ल्यू और लोकायुक्त के यहां से भी आए हैं। इनमें दोषी अध्यक्षों के खिलाफ कार्रवाई की संस्तुतियां भी की जा चुकी हैं। पिछले दिनों शासन में उच्चस्तर पर हुई बैठक में निकाय अध्यक्षों की कार्यप्रणाली को लेकर हुई शिकायतों पर कार्रवाई की प्रगति की समीक्षा हो चुकी है। हालांकि ज्यादातर मामलों में अभी तक कार्रवाई नहीं हुई है। सरकार ने अब ऐसे नगरीय निकाय अध्यक्षों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए हैं जिनके खिलाफ शिकायतें हैं और वे जांच में भी दोषी पाए गए हैं। सरकार ने यह भी कहा है कि बगैर ठोस आधार के किसी पर भी कार्रवाई न की जाए, ताकि हाई कोर्ट में मामला जाने पर सरकार का पक्ष कमजोर न पड़े। बता दें कि सीएम योगी भ्रष्टाचार के मुद्दे पर बेहद संवेदनशील हैं। इसलिए जिस भी अध्यक्ष के खिलाफ बड़ी जांच चल रही है, उसके खिलाफ कार्रवाई तय मानी जा रही है।

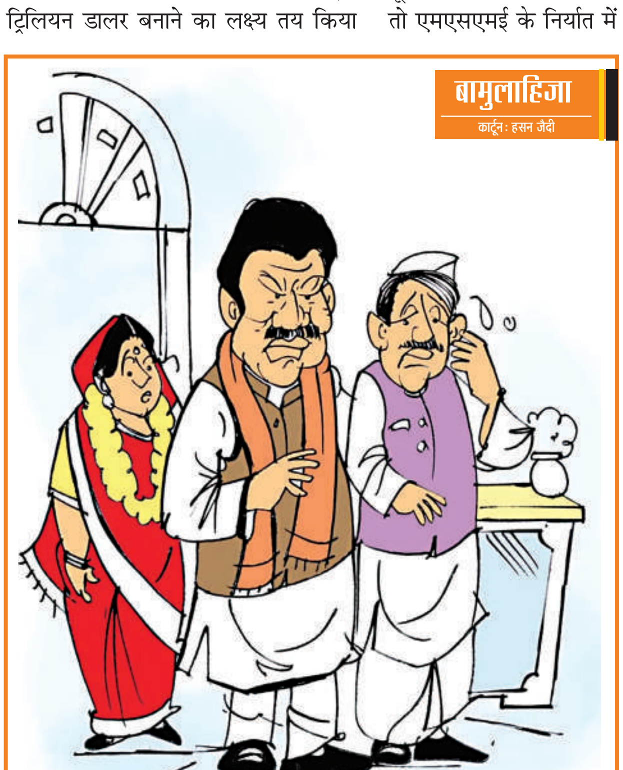

कारागार मंत्री बोले, प्रदेश की सभी जेलों की होगी सघन तलाशी

» कारागार मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने दिए निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजमगढ़ जेल में मोबाइल फोन मिलने की घटना के बाद कारागार मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने सभी जेल अधीक्षकों को अपनी-अपनी जेलों में सघन तलाशी लेने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि आजमगढ़ की घटना में दोषी कर्मियों को बुधवार को ही निलंबित किया जा चुका है। इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए।

मंत्री ने वीसी के जरिए सभी जेल अधीक्षकों से कहा कि 11 से 17 अगस्त तक आजादी का अमृत महोत्सव के तहत हर घर तिरंगा कार्यक्रम मनाया जाना है। सभी जेलों की बैरकों एवं सरकारी भवनों पर

तिरंगा फहराया जाए। जेल अधीक्षक अपनी-अपनी जेलों में बंद कैदियों को राष्ट्रगान का अभ्यास कराएं और 15 अगस्त के दिन सभी के साथ राष्ट्रगान कराएं। उन्होंने कहा कि आने वाले पर्वों पर सभी जेलों की सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रहे इसके इंतजाम किए जाएं। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही न बरतें। मंत्री ने कहा कि कैदियों के साथ मानवीय व्यवहार करें, जिससे इनकी सोच बदली जा सके। कैदियों को उनकी योग्यता के अनुसार पारंगत करें, जिससे वे बाहर जाकर जीविका प्राप्त कर सकें।

दलित, ओबीसी या ब्राह्मण चेहरा, किस पर दांव खेलेगी भाजपा

शीर्ष नेतृत्व मिशन 24 को लेकर मंथन में जुटा पीएम मोदी खुद बनाए हुए हैं यूपी पर नजर

» स्वतंत्र देव के इस्तीफे की चर्चा के बाद अध्यक्ष पद की रेस तेज

» जातीय और क्षेत्रीय समीकरण साधने पर भाजपा का फोकस

दिव्यभान श्रीवास्तव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष के तौर पर तीन साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद स्वतंत्र देव सिंह ने संगठन की कमान छोड़ दी है। फिलहाल ऐसी खबरें हैं। सियासी रूप से देश के सबसे अहम प्रदेश में बीजेपी के नए सेनापति को लेकर चर्चा फिर तेज हो गई है। फिलहाल स्वतंत्र देव सिंह का जो भी उत्तराधिकारी होगा, उसी के अगुवाई में 2024 के लोक सभा चुनाव होंगे। ऐसे में सवाल है कि बीजेपी यूपी में अपना नया अध्यक्ष ब्राह्मण, दलित या फिर ओबीसी समुदाय में से किसे बनाएगी। रेस में कई बड़े नाम हैं।

शीर्ष नेतृत्व मिशन 24 को लेकर मंथन में जुटा है। और तो और यूपी अध्यक्ष के लिए पीएम मोदी खुद नजर गड़ाए हुए हैं। भाजपा जातीय और क्षेत्रीय समीकरण साधने पर पूरा फोकस कर रही है ताकि 24 के चुनाव में जीत दर्ज कर हैट्रिक लगा सके। फिलहाल दिल्ली में नए प्रदेश अध्यक्ष का चेहरा तय हो चुका है। सूत्रों के मुताबिक दो से तीन दिन में ऐलान भी कर दिया जाएगा। लखनऊ से दिल्ली तक कुछ नामों पर चर्चा चल रही है। इसमें सबसे टॉप पर केशव प्रसाद मौर्य हैं, वे ओबीसी चेहरा हैं। ब्राह्मण वर्ग से आने वाले दिनेश शर्मा और बीएल वर्मा के नामों पर भी मंथन चल रहा है। प्रदेश अध्यक्ष 2024 के लोक सभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए होगा। यूपी की सियासत में बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बनाने के 20 साल के सियासी पैटर्न को देखें तो किसी ब्राह्मण समुदाय के हाथों में कमान दिए जाने की सबसे ज्यादा संभावना दिख रही है, जिसके चलते ब्राह्मण समुदाय से जिन नामों पर चर्चा तेज है, उसमें पूर्व उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा, पूर्व ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा, कन्नौज के सांसद एवं प्रदेश महामंत्री सुब्रत पाठक, अलीगढ़ के सांसद सतीश गौतम, नोएडा के सांसद डॉ. महेश शर्मा और प्रदेश उपाध्यक्ष विजय बहादुर पाठक प्रमुख दावेदार माने जा रहे हैं। ब्राह्मण समुदाय के नाम की चर्चा के पीछे एक बड़ी वजह यह है कि बीजेपी पिछले दो दशक से लोक सभा चुनाव के दौरान पार्टी की कमान यूपी में ब्राह्मण समुदाय के हाथ में देती रही है तो विधान सभा चुनाव के दौरान ओबीसी समुदाय के अध्यक्ष बनाकर उतारती है। 2004 के लोक सभा चुनाव के दौरान केशरीनाथ त्रिपाठी, 2009 चुनाव में रमापति राम त्रिपाठी, 2014 में लक्ष्मीकांत वाजपेयी और 2019 में महेंद्र नाथ पांडेय प्रदेश अध्यक्ष रहे हैं। बता दें कि नए प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति तक प्रदेश अध्यक्ष के कार्यभार स्वतंत्र सिंह के पास बना रहेगा। प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर मिली फॉर्च्यूनर कार भी स्वतंत्र देव सिंह ने वापस कर दी है। स्वतंत्र देव सिंह चित्रकूट में होने वाले 29 से एक अगस्त तक चलने वाले प्रशिक्षण शिविर कार्यक्रम में भी बतौर प्रदेश अध्यक्ष मौजूद रहेंगे।

तो केशव बेहतर विकल्प के तौर पर हैं

2024 के लोक सभा चुनाव से पहले भाजपा यूपी में पार्टी की कमान किसी ओबीसी चेहरे को देना चाहती है। पार्टी के मुखिया और एक डिप्टी सीएम सवर्ण हैं। पिछले चुनावी नतीजों को देखें तो पार्टी को सवर्णों के बाद सबसे ज्यादा वोट ओबीसी समाज से ही मिलता है। ऐसे में पार्टी की कमान ओबीसी को देकर सरकार और संगठन में बेहतर तालमेल बनाने की चर्चा है। खबर में आगे बढ़ने से पहले आपको लोकसभा चुनाव 2019 में जातिगत वोट परसेंटेज बताते हैं। यादव-कोइरी-कुर्मी को छोड़कर ओबीसी के 72 फीसदी ने भाजपा को वोट दिया था। 18 फीसदी सपा-बसपा, 5 फीसदी ने कांग्रेस और बचे हुए 5 फीसदी ने अन्य दलों को वोट दिया था। अगर पार्टी इस फार्मूले पर आगे बढ़ती है तो केशव बेहतर विकल्प के तौर पर हैं। साथ ही इस समाज से आने वाले केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा और योगी सरकार के पंचायतीराज मंत्री भूपेंद्र सिंह चौधरी का नाम भी चर्चाओं में है।

दलित चेहरे भी प्रदेश अध्यक्ष की रेस में

बीजेपी लगातार दलित वोटों पर फोकस कर रही है। ऐसे में दलित चेहरे के तौर पर केंद्रीय मंत्री भानु प्रताप सिंह वर्मा, कौशांबी सांसद विनोद कुमार सोनकर, एमएलसी लक्ष्मण आचार्य और इटावा के सांसद राम शंकर कठेरिया को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पद के दावेदार के तौर पर देखा जा रहा है। इस तरह बीजेपी किसी दलित को प्रदेश की कमान सौंप कर बड़ा सियासी संदेश दे सकती है। बता दें कि गैर-यादव ओबीसी में लगभग 58 प्रतिशत ने 2017 में भाजपा को वोट दिया था, यह हिस्सेदारी 2022 में लगभग 65 प्रतिशत हो जाने जाने का अनुमान है। ऐसे ही दलित समुदाय का बड़ा तबका बीजेपी के साथ जुड़ा है। बीजेपी ने पहले गैर-जाटव दलितों को साधने में सफल रही है तो अब जाटव वोटों में सेंधमारी के लिए लगातार कवायद कर रही है।

प्रयोग करती रही है बीजेपी

संगठन सूत्रों का कहना है कि बीजेपी अपने फैसले से सरप्राइज करती रही है। 2004 के लोक सभा चुनाव के दौरान केशरीनाथ त्रिपाठी उत्तर प्रदेश बीजेपी के अध्यक्ष थे जबकि 2009 लोक सभा चुनाव के दौरान रमापति राम त्रिपाठी के हाथ में उत्तर प्रदेश बीजेपी की कमान थी। 2014 के लोकसभा चुनाव में ब्राह्मण नेता लक्ष्मीकांत वाजपेयी प्रदेश अध्यक्ष थे, जिनके अगुवाई में बीजेपी ने 71 सीटों के साथ ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी। 2019 के लोक सभा चुनाव के समय बीजेपी ने महेंद्र नाथ पांडेय को उत्तर प्रदेश में संगठन की कमान सौंपी हुई थी, जिनकी अगुवाई में बीजेपी 63 सीटें जीतने में सफल रही।

2024 पर है पूरा फोकस

यूपी में ब्राह्मण और ठाकुर बीजेपी के कोर वोट बैंक माने जाते हैं। दरअसल, बीजेपी का अब पूरा फोकस 2024 के लोक सभा चुनाव पर है। इसके मद्देनजर सरकार गठन में बीजेपी ने जातीय और क्षेत्रीय समीकरण को साधने की कवायद की है तो अब संगठन की कमान एक मजबूत हाथों में सौंपकर अपनी जीत के सिलसिले को बरकरार रखना चाहती है। वहीं लोक सभा चुनाव के मद्देनजर बीजेपी यूपी संगठन में बड़े बदलाव की भी तैयारी कर रही है।

अब बसपा के वोट बैंक में सेंधमारी की तैयारी में सुभासपा

अतिपिछड़ों के साथ दलितों को भी गोलबंद करना चाहते हैं राजभर

» सपा से गठबंधन टूटने के बाद तलाश रहे नया ठिकाना, अभी नहीं खोले पत्ते

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। अभी तक अति पिछड़ों की सियासत करने वाले सुभासपा प्रमुख ओमप्रकाश राजभर की नजर अब बसपा के वोट बैंक पर लगी है। वे अति पिछड़ों के साथ दलितों को गोलबंद करने की फिराक में हैं। राजभर को लगने लगा है कि कमजोर होती बसपा के वोट बैंक में सेंधमारी आसानी से की जा सकती है। लिहाजा वे दलितों को लेकर लगातार बयान दे रहे हैं।

सपा गठबंधन से अलग होने के बाद सुभासपा प्रमुख ओमप्रकाश राजभर ने अभी तक अपने पत्ते नहीं खोले हैं लेकिन उन्होंने संकेत दिया है कि वह छोटी-छोटी पार्टियों के साथ गठबंधन के पक्षधर है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब डा. भीम राव आंबेडकर के विचारों के लिए ही वह अतिपिछड़ों व गरीबों की लड़ाई लड़ रहे हैं। वहीं भाजपा के प्रति उनका नरम रवैया अंदर पक रही सियासी खिचड़ी की ओर भी इशारा कर रहा है। हालांकि बसपा ने उनके लिए अपने दरवाजे बंद कर दिए हैं। वैसे भाजपा से गठबंधन के सवाल पर वह यह कहने से परहेज नहीं करते हैं कि राजनीति में कुछ भी संभव है। साथ ही यह भी जोड़ते हैं कि सपा से गठबंधन टूटने की कोई उम्मीद उन्हें नहीं थी, लेकिन टूट गई। आगे क्या होगा कुछ नहीं कहा जा सकता है। हालांकि राष्ट्रीय प्रवक्ता अरुण राजभर का कहना है कि लोग चाहे कुछ भी मायने निकालें लेकिन अभी तक कोई निर्णय नहीं हुआ है। दरअसल, सुभासपा प्रमुख ओपी राजभर रालोद मुखिया जयंत चौधरी को अधिक तवज्जो देने से दुखी हैं। वे कई बार वह इसका जिक्र भी कर चुके हैं। राष्ट्रपति चुनाव के दौरान भी विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा की पत्रकार वार्ता में जयंत चौधरी को बगल में बैठाया गया जबकि उन्हें बुलाया तक नहीं। इसके अलावा जयंत चौधरी को राज्य सभा पहुंचाया गया। अब विधान सभा चुनाव सपा के साथ गठबंधन में लड़ने वाली सुभासपा ने अपने रास्ते अलग कर लिए हैं। आजमगढ़ व रामपुर लोक सभा उपचुनाव में सपा को मिली करारी हार के बाद से ओम प्रकाश राजभर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर हमलावर हैं। राष्ट्रपति चुनाव में भी ओम प्रकाश राजभर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निमंत्रण पर द्रौपदी मुर्मु के सम्मान में आयोजित रात्रि भोज में शामिल हुए और उन्हें वोट भी दिया था। सपा भी लगातार खिलाफ आ रहे बयानों को देखते हुए पिछले दिनों ओम प्रकाश राजभर को जहां भी अधिक सम्मान मिले वहां जाने के लिए स्वतंत्र करने का पत्र लिख दिया था।

संगठन को चुस्त करने में जुटे राजभर

सपा से तलाक लेने के बाद सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) फिलहाल अपने संगठन को मजबूत करने में जुट गई है। सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर मंडलवार समीक्षा कर वर्तमान राजनीतिक हालात के बारे में अपने नेताओं को बता रहे हैं व कार्यकर्ताओं से सुझाव भी ले रहे हैं। मंडलवार समीक्षा के बाद लखनऊ में चार या पांच अगस्त को सुभासपा के शीर्ष नेताओं की बैठक होगी, जिसमें लोक सभा चुनाव की रणनीति को अंतिम रूप दिया जाएगा।

गांव चलो, समाज जोड़ो अभियान

अब सुभासपा ने गांव चलो समाज जोड़ो सदस्यता अभियान चलाया हुआ है। ओम प्रकाश राजभर मंडलवार पार्टी की समीक्षा कर रहे हैं। सुभासपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण राजभर ने बताया कि बुधवार को बस्ती-देवीपाटन मंडल की समीक्षा बैठक की गई है। हमारी कोशिश अधिक से अधिक जनसंपर्क कर पार्टी को मजबूत बनाने की है। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी मजबूत होगी तो गठबंधन अपने आप हो जाएगा। गठबंधन के प्रश्न पर उन्होंने कहा कि फिलहाल पार्टी कार्यकर्ताओं से की राय ली जा रही है। इसके बाद लखनऊ में चार या पांच अगस्त को बैठक होगी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

गंगा में प्रदूषण पर कोर्ट की सख्ती के मायने

> अरबों रुपये खर्च करने के बाद भी गंगा में प्रदूषण कम नहीं हो रहा है। इस पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। अदालत ने न केवल यूपी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और जल निगम की कार्यशैली पर सवाल उठाये हैं बल्कि प्रदूषण को दूर करने के लिए खर्च धनराशि का हिसाब भी मांगा है।

अरबों रुपये खर्च करने के बाद भी गंगा में प्रदूषण कम नहीं हो रहा है। इस पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। अदालत ने न केवल यूपी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और जल निगम की कार्यशैली पर सवाल उठाये हैं बल्कि प्रदूषण को दूर करने के लिए खर्च धनराशि का हिसाब भी मांगा है। कोर्ट ने यहां तक कहा कि जब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड निगरानी और प्रदूषण फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर पा रहा है तो क्यों न इसे समाप्त कर दिया जाए। सवाल यह है कि कोर्ट को इतनी तल्ख टिप्पणी क्यों करनी पड़ी? गंगा को प्रदूषण मुक्त करने के नाम पर हर साल आने वाला भारी भरकम बजट कहां खर्च किया जा रहा है? बिना शोधन नालों का गंदा पानी गंगा में क्यों गिराया जा रहा है? एसटीपी प्लांट शो पीस क्यों बने हुए हैं? निगरानी की समुचित व्यवस्था क्यों नहीं की गई ? रिपोर्ट में खेल कर जनता की आंख में धूल क्यों झोंकी जा रही है? क्या प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, नमामि गंगे परियोजना और जल निगम पर कोर्ट की टिप्पणी का असर होगा? क्या भ्रष्टाचार ने पूरे तंत्र को खोखला कर दिया है?

गंगा को निर्मल बनाने के लिए केंद्र सरकार ने 2014 में नमामि गंगे परियोजना की शुरुआत की थी। तब से आज तक अरबों रुपये इसकी सफाई में खर्च हो चुके हैं लेकिन आज तक यह प्रदूषण मुक्त नहीं हो सकी। मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट के सामने पहुंच गया है। गंगा में प्रदूषण को लेकर कानपुर आईआईटी और आईटी बीएचयू की रिपोर्ट ने कोर्ट का पारा चढ़ा दिया है। शोधित जल की रिपोर्ट मानक के अनुरूप नहीं है और कई ट्रीटमेंट प्लांट बेकार हैं। इस रिपोर्ट के बाद हाईकोर्ट ने नमामि गंगे परियोजना के महानिदेशक से यूपी के मद में आए और खर्च किए गए धन का ब्यौरा तलब किया है। रिपोर्ट से साफ है कि यूपी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड न तो प्रदूषण की जांच कर रहा है और न ही दोषियों के खिलाफ कोई कार्रवाई। एसटीपी काम नहीं कर रहे हैं और गंदा पानी सीधे गंगा में जा रहा है। कानपुर के चर्म उद्योगों व गजरौला की चीनी मिलों की गंदगी बगैर शोधित किए गंगा में बहाई जा रही है। यही नहीं एसटीपी में होने वाले शोधन की मॉनिटरिंग में भी घोर लापरवाही बरती जा रही है। कोर्ट ने इस बात पर भी हैरानी जताई कि इसकी निगरानी मौके पर न जाकर ऑनलाइन की जा रही है। इसके पहले राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण भी गंगा में नालों का गंदा पानी सीधे नदी में बहाए जाने की रिपोर्ट पर राष्ट्रीय गंगा परिषद से जवाब मांग चुका है। जाहिर है कि यदि गंगा को स्वच्छ बनाना है तो सरकार को संबंधित विभागों को जवाबदेह बनाना होगा और हाईकोर्ट के मुताबिक कार्य करना होगा अन्यथा हालात बदतर ही होंगे और प्रदूषण के नाम पर अरबों रुपये पानी में बहाया जाता रहेगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बिना विकल्प दिये प्रतिबंध का प्रयास अधूरा

पंकज चतुर्वेदी

इस एक जुलाई से देश में एक बार इस्तेमाल होने वाली पॉलिथीन के साथ कुल 19 ऐसी वस्तुओं पर पाबंदी लगाई गई जिनका कचरा इस धरती के अस्तित्व के लिए खतरा बन रहा है। इस बाबत चालान और नगद जुर्माना हो रहा है लेकिन न इनका इस्तेमाल कम हुआ और न ही उत्पादन। बस, बाजार में इसे चोरी-छुपे लाने के नाम पर दाम जरूर बढ़ गए। इससे पहले सितंबर-2019 में प्रधानमंत्री ने अपने 'मन की बात में' पॉलिथीन व प्लास्टिक से देश को मुक्त करने का आह्वान किया था। मध्य प्रदेश सरकार इससे पहले ही पन्नी मुक्त प्रदेश की घोषणा कर चुकी थी। देश के कई नगरीय क्षेत्रों में इस तरह के अभियान चलते रहे, लोग भी मानते हैं कि पॉलिथीन थैली नुकसानदेह है लेकिन अगले ही पल कोई मजबूरी जता कर उसे हाथ में लेकर चल देते हैं।

कच्चे तेल के परिशोधन से मिलने वाले डीजल, पेट्रोल आदि के साथ ही पॉलिथीन बनाने का मसाला भी पेट्रो उत्पाद ही है। यह इंसान और जानवर दोनों के लिए जानलेवा है। घटिया पॉलिथीन का प्रयोग सांस और त्वचा संबंधी रोगों तथा कैंसर का खतरा बढ़ाता है। पॉलिथीन की थैलियां नष्ट नहीं होती हैं और धरती की उपजाऊ क्षमता को नष्ट कर इसे जहरीला बना रही हैं। साथ ही मिट्टी में इनके दबे रहने के कारण मिट्टी की पानी सोखने की क्षमता भी कम होती जा रही है। पॉलिथीन खाने से गायों व अन्य जानवरों के मरने की घटनाएं तो अब आम हो गई हैं। फिर भी बाजार से सब्जी लाना हो या पैक दूध या फिर किरयाना या कपड़े, पॉलिथीन के प्रति लोभ न तो दुकानदार छोड़ पा रहे हैं व न ही खरीदार। शहरों की सुंदरता पर इससे ग्रहण लग रहा है। यह भी सच है कि पॉलिथीन बीते दो दशक के दौरान बीस लाख से ज्यादा लोगों के जीविकोपार्जन का जरिया बन चुका है जो कि इसके उत्पादन, व्यवसाय, पुरानी पन्नी एकत्र करने व उसे कबाड़ी को बेचने जैसे काम में लगे हैं। वहीं पॉलिथीन के विकल्प के रूप में जो सिंथेटिक थैले बाजार में लाये गए हैं, वे महंगे हैं, दूसरे कमजोर और तीसरे वे भी प्राकृतिक या घुलनशील सामग्री से नहीं बने हैं और उनके भी कई विषम प्रभाव हैं। यदि वास्तव में बाजार से पॉलिथीन का विकल्प तलाशना है तो पुराने कपड़े के थैले बनवाना एकमात्र विकल्प है। इससे कई लोगों को विकल्प मिलता है, पॉलिथीन निर्माण की छोटी-छोटी इकाई लगाए लोगों को कपड़े के थैले बनाने का, उसके व्यापार में लगे लोगों को उसे दुकानदार तक

पहुंचाने का और आम लोगों को सामान लाने-ले जाने का भी। यह सच है कि जिस तरह पॉलिथीन की मांग है उतनी कपड़े के थैले की नहीं होगी क्योंकि थैला कई-कई बार इस्तेमाल किया जा सकता है, लेकिन कपड़े के थैले की कीमत भी उसी तरह पॉलिथीन के मानिंद तेज नहीं होगी।

सबसे बड़ी दिक्कत है दूध, जूस, बनी हुई करी वाली सब्जी आदि के व्यापार की है। इसके लिए एल्यूमीनियम या अन्य मिश्रित धातु के खाद्य-पदार्थ के लिए माकूल कंटेनर बनाए जा सकते हैं। सबसे बड़ी बात घर से बर्तन ले जाने की आदत फिर से लौट आए तो खाने का स्वाद, उसकी गुणवत्ता, दोनों ही बनी रहेंगी। कहने की जरूरत नहीं है कि पॉलिथीन में पैक दूध या गर्म करी उसके जहर को भी आपके पेट तक पहुंचाती है। प्लास्टिक से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए बायोप्लास्टिक को बढ़ावा देना चाहिए। बायोप्लास्टिक चीनी, चुकंदर, भुट्टा जैसे जैविक रूप से अपघटित होने वाले पदार्थों के इस्तेमाल से बनाई जाती है। 40 माइक्रोन से कम पतली पन्नी सबसे ज्यादा खतरनाक होती है।

सरकारी अमलों को ऐसी पॉलिथीन का उत्पादन करने वाले कारखानों को बंद करवाना पड़ेगा। वहीं प्लास्टिक कचरा बीन कर पेट पालने वालों के लिए विकल्प के तौर पर बंगलुरू के प्रयोग पर विचार कर सकते हैं, जहां लावारिस फेंकी गई पन्नियों को अन्य कचरे के साथ ट्रीटमेंट करके खाद बनाई जा रही है। कन्नूर के नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी के छात्रों ने इवीनाबु बुनकर सहकारी समिति और कल्लेतेरे औद्योगिक बुनकर सहकारी समिति के साथ मिल कर बहुत कम दाम पर बेहद आकर्षक व टिकाऊ थैले बाजार में पहुंचा दिए। खाने-पीने वाले होटलों ने खाना पैक करवा कर ले जाने वालों को घर से टिफिन लाने पर छूट देना शुरू कर दिया और घर पर सप्लाई भी अब स्टील के बर्तनों में की जा रही है जो ग्राहक के घर जा कर खाली कर लिए जाते हैं। सिक्किम में प्लास्टिक की बोतल के विकल्प में बांस और मिट्टी की बोतलें बहुत लोकप्रिय हुई हैं। जर्मनी में प्लास्टिक के कचरे से बिजली का निर्माण भी किया जा रहा है। विकल्प तो और भी बहुत कुछ हैं, बस जरूरत है एक नियोजित दूरगामी योजना और उसके क्रियान्वयन के लिए जबरदस्त इच्छाशक्ति की।

म्यांमार में दमन के खिलाफ विश्व जनमत

पुष्परंजन

इरावदी म्यांमार का प्रमुख अखबार है। बुधवार को अखबार ने लीड ख़बर बनाते हुए सैन्य शासन के प्रवक्ता जनरल जॉव मिन तुन का बयान प्रकाशित किया है कि जिन कैदियों को मौत की सजा दी गई है, उन्हें एक बार नहीं, कई बार फांसी दी जानी चाहिए थी। इस बयान से पहले मंगलवार को म्यांमार विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने संयुक्त राष्ट्र, यूरोपीय संघ, अमेरिका और ब्रिटेन की आलोचना का प्रतिकार करते हुए कहा था कि ये देश और संगठन हमारे आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप कर रहे हैं। मतलब, म्यांमार का मिलिट्री जंटा यह चाह रहा है कि वो अपने देश में चाहे जो कुछ करे, दुनिया मूकदर्शक होकर देखती रहे। मिलिट्री जंटा इतना ढीठ क्या चीनी शह की वजह से है?

मृत्युदंड पाने वाले चार लोगों में से एक खो फ्यो जेया थाओ नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी (एनएलडी) के कार्यकर्ता हैं। उन पर आरोप है कि सेना की टुकड़ी पर कई बार हमले कर चुके हैं। यांगून आ रही एक पैसेंजर ट्रेन में पांच पुलिसवालों को गोलियों से उड़ा देने में उनका हाथ रहा था। खो फ्यो को नवंबर, 2021 में गिरफ्तार किया गया था। जनवरी, 2022 में आतंक निरोधक कानून के तहत खो फ्यो जेया थाओ को मौत की सजा सुनाई गई। मिलिट्री अदालत ने हिप-हॉप स्टार से 'एनएलडी' सांसद बने खो जिमी (खो ख्याऊ मिन यू) को सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट के अपराध में सजा-ए-मौत दी है। बाकी दो लोगों को फांसी की सजा एक मिलिट्री मुखबिर को मार डालने की वजह से सुनाई गई है। सैन्य अदालत से अब तक 118 लोगों को सजा-ए-मौत मिल चुकी है। उससे अलग पुलिस व सेना द्वारा मारे गये लोगों की बड़ी तादाद है। थाइलैंड के माए सोत स्थित 'असिस्टेंस एसोसिएशन फॉर पॉलिटिकल प्रिजनर्स' ने एक सूची जारी कर जानकारी दी है कि तख्ता पलट के बाद से 1929 लोगों को सैन्य शासन ने मारा है, 11 हजार 4 लोग नजरबंद हैं। 1 फरवरी, 2021 को मिलिट्री जंटा के प्रमुख जनरल मिन आंग हिलेंग ने जब लोकतांत्रिक रूप से चुनी सरकार को भंग किया था, उसके कुछ घंटों बाद उन्होंने अहद किया था कि साल भर में नई पार्टी और सरकार का गठन अपनी देखरेख में कराएंगे मगर, हुआ उलट।

इस प्रकरण में आसियान बुरा फंसा है। म्यांमार न उसे उगलते बन रहा है, न निगलते। इंडोनेशिया, मलेशिया, सिंगापुर, थाइलैंड, फिलीपींस, कंबोडिया, लाओस, म्यांमार, वियतनाम, ब्रूनेई जैसे दस देशों का संगठन है 'आसियान'। आसियान के चार्टर में है कि दसों में किसी सदस्य देश पर मुसीबत आती है तो उसका मिलकर मुकाबला करेंगे और किसी बाहरी देश का दखल नहीं होने देंगे। कंबोडिया 'आसियान' का वर्तमान अध्यक्ष देश है। मुश्किल यह है कि सिंगापुर चार महीने के भीतर ड्रग तस्करी के अपराध में पांचवें व्यक्ति को मृत्युदंड दे चुका है। ऐसे में आसियान, म्यांमार में मृत्युदंड को मुद्दा बनाये कैसे? सच पूछिये तो आसियान लीडरशिप किंकर्तव्यविमूढ़ है। मलेशिया के विदेश मंत्री सैफुद्दीन अब्दुल्ला ने बयान जारी कर कहा कि म्यांमार की सैन्य अदालत ने जो फैसला सुनाया है, वह मानवता के विरुद्ध है। थाइलैंड में इसका व्यापक विरोध देखा जा रहा है। बैंकाक में म्यांमार दूतावास के समक्ष दो दिनों से लगातार प्रदर्शन हुए हैं।

जकार्ता में 24 अप्रैल, 2021 को आसियान शिखर बैठक हुई थी, जिसमें नौ देशों के शासन प्रमुख और म्यांमार के सैन्य शासक जनरल मिन आंग हिलेंग उपस्थित थे। उस बैठक में म्यांमार ने पांच सूत्री कार्यक्रम में सहमति दी थी। इन पांच बिंदुओं में म्यांमार में हिंसक टकराव पर तत्काल रोक, सभी पार्टियों से संवाद, आसियान द्वारा मानवीय सहयोग, इनके विशेष दूत सभी दलों के लोगों से मिलें, जैसी बातें थीं। जकार्ता बैठक के सवा साल गुजर गये, जनरल मिन आंग हिलेंग ने पांच बिंदुओं पर कितना अमल किया, उसे लेकर आसियान सदस्यों में निराशा है। ऐसे में बहुत हद तक संभव है कि म्यांमार स्वयं आसियान छोड़ दे अथवा उसे संगठन से निलंबित करने का फरमान जारी हो। पिछले साल भारत समेत आठ देशों ने जिस दिन म्यांमार की सैन्य परेड में भाग लिया था, उस दिन सौ लोग मारे गये थे। तब सवाल उठने लगे थे कि क्या भारत प्रतिरोध को कुचल देने वाले सैन्य तानाशाहों का समर्थक है? भारत दूसरी बार भी चुप वाली रणनीति पर चल रहा है। पिछले साल भी हम म्यांमार में स्थितियों की 'समीक्षा' करते रहे।

जब दुनिया के बड़ देश म्यांमार में दमन के विरुद्ध बयान जारी कर चुके, फिर भारत ने लजाते-शर्माते 1 फरवरी, 2021 को आधिकारिक वक्तव्य जारी करते हुए कहा था, 'म्यांमार की स्थिति को हम मॉनिटर कर रहे हैं। उसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया और कानून के शासन को बनाये रखना चाहिए।' म्यांमार-भारत की 1643 किलोमीटर सीमा मणिपुर, मिजोरम से लगी है। जब से सैन्य शासन लगा है, म्यांमार से पलायन कर हमारी तरफ कितने लोग आये? गृह मंत्रालय इस प्रश्न पर चुप है। 18 मार्च, 2021 को मिजोरम के मुख्यमंत्री जोरामथांगा ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर सतर्क किया था कि सीमा पर जो कुछ हो रहा है, उससे हम आंखें मूंद नहीं सकते। मणिपुर में भी हजारों की तादाद में शरणार्थी आ चुके थे। क्या इन्हें आबोदाना-आशियाना मुहैया कराना भारत के करदाताओं पर अतिरिक्त बोझ नहीं है? भारत सरकार को चाहिए था कि इस समस्या से म्यांमार के सैन्य शासकों को अवगत कराये। कल को यही शरणार्थी हमारे लिए रोहिंग्या की तरह सिरदर्द होंगे।

बारिश में और खूबसूरत हो जाते हैं ये पर्यटन स्थल

भारत में कुछ ऐसी खूबसूरत जगहें हैं जहां मॉनसून में मौसम और भी खुशनुमा हो जाता है। कोहरे की चादर ओढ़े पड़ा पश्चिमी घाट, दार्जिलिंग में चारों तरफ सूखी पत्तियों की खुशबू और आसमान के साथ ब्लू व ग्रे शेड बदलते समुद्री तट मॉनसून की बारिश को और रोमांटिक बना देते हैं। आइए भारत की कुछ ऐसी ही जगहें के बारे में जानते हैं जहां हर किसी को मॉनसून में एक बार जरूर जाना चाहिए।

कुर्ग

कुर्ग, कर्नाटक के दक्षिण-पश्चिम भाग में पश्चिम घाट के पास एक पहाड़ पर स्थित जिला है। कुर्ग समुद्र तल से लगभग 900 मीटर से 1715 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। इस जगह को भारत का स्कॉटलैंड भी कहा जाता है। यहां दुब्बारे एलीफेंट कैंप, तल कावेरी, कुक्के सुब्रमण्यम, कासरगोड और कन्नूर जैसे कई खूबसूरत टूरिस्ट डेस्टिनेशन हैं। मॉनसून के वक्त इस जगह की खूबसूरती अपने चरम पर होती है।

लद्दाख

अपने अंदर अद्भुत खूबसूरती समेटे बैठा लद्दाख भी टूरिस्ट के बीच काफी फेमस है। पहाड़ी दर्रे, तेज हवाएं और प्राकृतिक सौंदर्य के बीच आपको यही लगेगा कि धरती पर शायद इससे बेहतर दूसरी कोई जगह नहीं है। अगर आपको बारिश की बूंदों में तरबतर होने का शौक है तो एक बार मॉनसून में लद्दाख की सैर जरूर करें।

मेघालय

पहाड़ों से घिरे मेघालय को अक्सर लोग बादलों का घर कहते हैं। नदियों की मौजूदगी, खूबसूरत झरने, जगमगाती पर्वत धाराए और पर्वतों के ऊपर से हरियाली का अनोखा नजारा मेघालय की खूबसूरती को दर्शाता है। बारिश के मौसम में यह जगह नहाकर और भी ज्यादा खूबसूरत हो जाती है, इसलिए मॉनसून में आपको एक बार यहां जरूर जाना चाहिए।

दार्जिलिंग

चाय के बागानों से घिरा दार्जिलिंग पश्चिम बंगाल में स्थित है। जुलाई से सितंबर के बीच यहां पर्वतों पर सुबह के वक्त कोहरा छाया रहता है। चाय की भीगी पत्तियों की खुशबू चारों ओर हवा में फैली होती हैं। दार्जीलिंग के मॉल रोड पर ठंडी हवाओं और बारिश की बूंदों के बीच चाय की चुस्की आपको शानदार अनुभव देगी।

राजस्थान

राजस्थान अपने रेगिस्तानी परिदृश्य के लिए काफी फेमस है। यहां प्राचीन किलों समेत कई ऐसी खूबसूरत जगहें हैं जिन्हें मॉनसून की बेस्ट टूरिस्ट डेस्टिनेशन में गिना जाता है। जयपुर, उदयपुर, जोधपुर और जैसलमेर जैसे शहर मॉनसून की बारिश में नहाकर और खूबसूरत हो जाते हैं। दिल्ली-एनसीआर में रहने वाले लोग यहां बजट में ट्रिप प्लान कर सकते हैं।

गोवा

टूरिस्ट के बीच गोवा भी एक अच्छी डेस्टिनेशन मानी जाती है। लहराते हुए नारियल के पेड़, कॉलोनियर हेरिटेज, पुर्तगालियों की इमारतें, स्वादिष्ट व्यंजन और खूबसूरत समुद्री तट गोवा की पहचान हैं। कम बजट में सैर, सूने पड़े किनारे, गुलाबी आसमान और बारिश में मोटरबाइक की सैर यहां के मॉनसून डेस्टिनेशन को ज्यादा खास बनाते हैं।

केरल

समृद्ध वनस्पति, बायोलॉजिकल डायवर्सिटी और ग्रामीण जीवन की सुंदरता केरल आने वाले यात्रियों के बीच आकर्षण का केंद्र है। समुद्र के शांत किनारे पर एक खुशनुमा शाम और कश्ती की सैर आपको यहां बेहद खास अनुभव देगी। मॉनसून में केरल घूमने के लिए हर साल दूर-दराज से टूरिस्ट आते हैं।

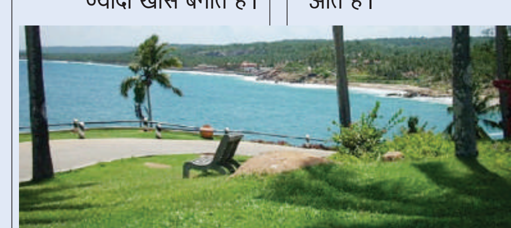

हंसना मना है

पति: पत्नी पार्टी में जाते हैं। पत्नी आज तो स्टेज पर आग लगा देंगे। पति: अरे मैं माचिस लाना भूल गया। पत्नी: अरे मैं डांस की बात कर रही हूं। पत्नी, हां लेकिन तुम्हारे डांस करने पर लोग स्टेज को ही आग लगा देंगे।

पति सारी रात गायब रहने के बाद सुबह घर पहुंचा। पत्नी ने गुस्से में कहा: अब सुबह के सात बजे किस लिए आए हो? पति: सुबह को किसलिए आते हैं, नाश्ता करने के लिए पागल।

पिताजी: बेटा, मेरे लिए 1 गिलास पानी लाना, पहला लड़का: नहीं लाऊंगा,दूसरा लड़का: रहने दो पापा, ये तो है ही बद्तमी? आप खुद ले लो, और मेरे लिए भी 1 गिलास ले आना।

लड़का: यार, मुझे उस लड़की से बचाओ, दोस्त: क्यों? लड़का: जब से मैंने कह दिया है दिल चीर के देख तेरा ही नाम होगा, ये बावली 'चाकू' लेके पीछे पड़ गई है।

टीचर: अस्पताल का क्या मतलब होता है? छात्र: सर स्वर्ग की ओर जाने वाले रास्ते में जो टोल टैक्स आता है, उसे ही अस्पताल कहते हैं। मरीज डॉक्टर से डॉक्टर साहब आपने जो पर्ची के पीछे दवाई लिखी थी, वो पूरे शहर में कही नहीं मिल रही। डॉक्टर: अरे भाई, वो तो मैं अपना पैन चला कर चेक कर रहा था।

कहानी | वंश की रक्षा

किसी पर्वत प्रदेश में मन्दविष नाम का एक वृद्ध सर्प रहा करता था। एक दिन वह विचार करने लगा कि ऐसा क्या उपाय हो सकता है, जिससे बिना परिश्रम किए ही उसकी आजीविका चलती रहे। उसके मन में तब एक विचार आया। वह समीप के मेंढकों से भरे तालाब के पास चला गया। वहां पहुँचकर वह बड़ी बेचैनी से इधर-उधर घूमने लगा। उसे इस प्रकार घूमते देखकर तालाब के किनारे एक पत्थर पर बैठे मेंढक को आश्चर्य हुआ तो उसने पूछा,मामा! आज क्या बात है? शाम हो गई है, किन्तु तुम भोजन-पानी की व्यवस्था नहीं कर रहे हो? सर्प बड़े दु:खी मन से कहने लगा, बेटे! क्या करूं, मुझे तो अब भोजन की अभिलाषा ही नहीं रह गई है। आज बड़े सवेरे ही मैं भोजन की खोज में निकल पड़ा था। एक सरोवर के तट पर मैंने एक मेंढक को देखा। मैं उसको पकड़ने की सोच ही रहा था कि उसने मुझे देख लिया। समीप ही कुछ ब्राह्मण स्वाध्याय में लीन थे, वह उनके मध्य जाकर कहीं छिप गया। उसको तो मैंने फिर देखा नहीं। किन्तु उसके भ्रम में मैंने एक ब्राह्मण के पुत्र के अंगूठे को काट लिया। उससे उसकी तत्काल मृत्यु हो गई। उसके पिता को इसका बड़ा दु:ख हुआ और उस शोकाकुल पिता ने मुझे शाप देते हुए कहा, दुष्ट! तुमने मेरे पुत्र को बिना किसी अपराध के काटा है, अपने इस अपराध के कारण तुमको मेंढकों का वाहन बनना पड़ेगा। बस, तुम लोगों के वाहन बनने के उद्देश्य से ही मैं यहां तुम लोगों के पास आया हूं। मेंढक सर्प से यह बात सुनकर अपने परिजनों के पास गया और उनको भी उसने सर्प की वह बात सुना दी। इस प्रकार एक से दूसरे और दूसरे से तीसरे कानों में जाती हुई यह बात सब मेंढकों तक पहुँच गई। उनके राजा जलपाद को भी इसका समाचार मिला। उसको यह सुनकर बड़ा आश्चर्य हुआ। सबसे पहले वही सर्प के पास जाकर उसके फन पर चढ़ गया। उसे चढ़ा हुआ देखकर अन्य सभी मेंढक उसकी पीठ पर चढ़ गए। सर्प ने किसी को कुछ नहीं कहा। मन्दविष ने उन्हें भांति-भांति के करतब दिखाए। सर्प की कोमल त्वचा के स्पर्श को पाकर जलपाद तो बहुत ही प्रसन्न हुआ। इस प्रकार एक दिन निकल गया। दूसरे दिन जब वह उनको बैठाकर चला तो उससे चला नहीं गया। उसको देखकर जलपाद ने पूछा, क्या बात है, आज आप चल नहीं पा रहे हैं? हां, मैं आज भूखा हूं इसलिए चलने में कठिनाई हो रही है। जलपाद बोला, ऐसी क्या बात है। आप साधारण कोटि के छोटे-मोटे मेंढकों को खा लिया कीजिए। इस प्रकार वह सर्प नित्यप्रति बिना किसी परिश्रम के अपना भोजन पा गया। किन्तु वह जलपाद यह भी नहीं समझ पाया कि अपने क्षणिक सुख के लिए वह अपने वंश का नाश करने का भागी बन रहा है। सभी मेंढकों को खाने के बाद सर्प ने एक दिन जलपाद को भी खा लिया। इस तरह मेंढकों का समूचा वंश ही नष्ट हो गया।

सीख: अपने हितैषियों की रक्षा करने से हमारी भी रक्षा होती है।

5 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

जटिल समस्याओं का समाधान मिलेगा। नौकरीपेशा जातकों को कोई शुभ समाचार मिल सकता है। आप अपने विचारों को दूसरों के समक्ष सकारात्मक रूप में प्रस्तुत कर पाएंगे।

तुला

कार्यस्थल पर चीजें अच्छी तरह से आगे बढ़ेंगी, लेकिन आपको कुछ अतिरिक्त जिम्मेदारी दी जा सकती है। व्यवसायियों को अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है।

वृषभ

आज अचानक कहीं से धन लाभ होगा। आपके आर्थिक पक्ष में मजबूती आयेगी। आज आप किसी जरूरतमंद की मदद करेंगे। आपको पारिवारिक सुख की प्राप्ति होगी।

वृश्चिक

आपके भौतिक सुख-साधनों में ब?ोतरी होगी। पैसा कमाने का कोई शार्टकट तरीका अपनाएंगे। जीवनसाथी को खुश करने के लिए आप उन्हें कोई अच्छा-सा गिफ्ट देंगे।

मिथुन

धन लाभ हो सकता है। ऐसे काम से फायदा होगा जो लंबे समय तक चलेगा। कई तरह के रोचक विचार और योजनाएं आज बन सकती हैं। अविवाहित लोगों का विवाह भी तय हो सकता है।

धनु

आपके लिए दिन खास रहेगा। कुछ ऐसी बातें या चीजें सामने आ सकती हैं, जो आपको आने वाले दिनों में बड़ा फायदा देंगी। किसी कठिन मामले को सुलझाने के लिए अच्छा दिन है।

कर्क

व्यावसायिक और वित्तीय प्रयासों से आज आपको लाभ मिलेगा। पुराने निवेशों से भी आपको लाभ प्राप्त हो सकता है। आप अपनी पसंद के स्थान पर स्थानांतरित हो सकते हैं।

मकर

आज का दिन आपके लिए मिश्रित प्रभावदायक है। इस समय आप जो भी बोलें बहुत सोच-समझ कर बोलें। कार्यस्थल पर जल्दबाजी में निर्णय लेने से बचें। आमदनी निरंतर बनी हुई है, लेकिन खर्चे भी रहेंगे।

सिंह

आज आपका समय परिवार वालों के साथ बीतेगा। घर की कोई बड़ी जिम्मेदारी आपको मिल सकती है। आपको अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा।

कुम्भ

आज आप किसी काम में माता-पिता की सलाह लेंगे। ये सलाह आपके लिये लाभकारी रहेगी। आज आपके मन में सामाजिक कार्य करने के लिए कई नए विचार आएंगे।

कन्या

ऑफिस या बिजनेस में नई पहल करने का समय है। अपने कामकाज में नया प्रयोग करने में आप सफल हो सकते हैं। दिन आपके लिए ठीक है।

मीन

दिनभर पैसों के बारे में ही सोचते रहेंगे। भूमि और प्रॉपर्टी के कामों से भी धन लाभ होने के योग बन रहे हैं। कोई नया काम करने की सोच रहे हैं तो आपके सामने कुछ और काम आ सकते हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

अंग्रेजी बोलने वाले हिंदी फिल्में बनाएंगे तो फिल्में फ्लाप ही होंगी : अनुराग

साल 2022 के 6 महीने से ज्यादा बीत चुके हैं और इस साल हिट से ज्यादा फिल्में फ्लॉप हो रही हैं। दूसरी ओर साउथ की फिल्में बॉलीवुड पर बढ़िया कमाई कर रही हैं। ऐसे में साउथ वर्सेज बॉलीवुड का मुद्दा पिछले कुछ दिनों से काफी गर्माया हुआ है। कई सेलेब्स ने इस पर अपनी राय रखी है। अब अनुराग कश्यप ने एक इंटरव्यू के दौरान बॉलीवुड में फ्लॉप हो रही फिल्मों का कारण बताते हुए फिल्मकारों पर तीखा वार किया है। जैसा कि सभी जानते हैं, इन दिनों अनुराग कश्यप फिल्म दोबारा को लेकर चर्चा में हैं। अनुराग कश्यप की इस फिल्म में तापसी पन्नू लीड रोल में दिखेंगी। दोबारा के ट्रेलर लॉन्च पर अनुराग कश्यप ने हिंदी फिल्मों के खराब बिजनेस के बारे में बात की है। अनुराग कश्यप ने हिंदी फिल्मों के फ्लॉप होने का कारण देते हुए कहा कि आज कल फिल्ममेकर दर्शकों को इंप्रेस करने के लिए अपनी शैली से बाहर निकल रहे हैं और यह चीज लार्जर ऑडियंस को समझ नहीं आती है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर अंग्रेजी बोलने वाले हिंदी फिल्में बनाएंगे तो फिल्मों का हश्र वही होगा, जो इन दिनों हो रहा है। उनके मुताबिक, हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अब ऐसे फिल्ममेकर्स है, जो हिंदी तक नहीं बोल पाते हैं और वह चीज उनकी फिल्मों में भी दिखाई देती है। यह कोई पहला मौका नहीं है, अनुराग अक्सर ही ऐसे बयान दे जाते हैं जो आगे चलकर उन्हें विवादों से घेर देते हैं। उनकी फिल्म दोबारा को लेकर आरोप लगता रहा है कि यह विदेशी फिल्म मिराज की रीमेक है, जिसे स्वीकारने से उन्होंने इनकार कर दिया और बताया कि वह रीमेक फिल्में बनाने में विश्वास नहीं रखते। फिल्म दोबारा 19 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्मों में कहानियों का टोटा दूर करेंगे सुनील शेट्टी

बॉलीवुड | मसाला

अभिनय के अलावा एक सफल कारोबारी के रूप में भी मुंबई फिल्म जगत में अपनी पहचान बना चुके अभिनेता सुनील शेट्टी अब हिंदी सिनेमा में कहानियों की किल्लत दूर करने जा रहे हैं। सुनील शेट्टी पहले से ही दूर दराज के कलाकारों को हिंदी सिनेमा से जोड़ने की कोशिश में लगे रहे हैं और इसके लिए उन्होंने एक एप भी बनाया। अब वह सिनेमा और जमीन से जुड़ी कहानियों के बीच एक सेतु का काम करने की तैयारी में हैं और इसके लिए उन्होंने कॉन्टेंट के क्षेत्र में काम कर रहे लोगों से मिलना जुलना और उनके साथ नई साझेदारियां बनाना भी शुरू कर दिया है।

अभिनेता सुनील शेट्टी की कंपनी एफटीसी टैलेंट मीडिया एंड एंटरटेनमेंट अरसे से फिल्म कारोबार में सक्रिय रही है। एफटीसी टैलेंट एप को शुरू करने के पीछे सुनील शेट्टी का विचार नए कलाकारों का संघर्ष कम करना रहा है। इस अनूठे एप को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से सर्वश्रेष्ठ आत्मनिर्भर भारत एप का सम्मान भी प्राप्त हो चुका है। इस एप का मकसद देशभर के प्रतिभाशाली लोगों को एक ठोस मंच प्रदान करना है। इस एप के जरिए दुनिया में कहीं भी रहनेवाले तमाम लोग अपने ऑडिशन्स संबंधी वीडियो क्लिप्स भेज सकते हैं। अब सुनील शेट्टी ने कहानियों को लेकर भी एक नई साझेदारी की है। कंटेट इंजीनियर्स नामक कंपनी के साथ की गई इस साझेदारी के बारे में सुनील शेट्टी बताते हैं, 'कंटेट इंजीनियर्स और एफटीसी दोनों ही पारिवारिक सिद्वांतों और भारतीय संस्कारों व परंपराओं में रची बसी कहानियों को प्राथमिकता देंगे। इसके जरिये हम ऐसी कहानियां कहना चाहते हैं जिनका उद्देश्य मनोरंजन के साथ साथ दर्शकों को उनकी जमीन से जोड़े रखना भी होगा। इसके अलावा मेटावर्स और वेब 3.0 के लिए भी दिलचस्प कहानियां गढ़ी जाएंगी। इसके तहत कॉमिक्स, गेम्स और मर्चेडाइज का भी निर्माण किया जाएगा। मनोरंजन व खेल के क्षेत्र में नॉन-फिक्शन कंटेट के निर्माण की भी ठोस योजना बनाई गई है। हम ऐसे अद्भुत कंटेट के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, जो आपको मनोरंजन की अनूठी दुनिया में ले जाएगा।' सुनील शेट्टी के बारे में ये बात भी कम लोग ही जानते हैं कि अभिनेता होने के साथ साथ वह एक सफल कारोबारी रहे हैं। कभी सलमान खान को उनके संघर्ष के दिनों में अपने शोरूम पर ले जाकर उनकी पसंद के कपड़े दिलाने वाले सुनील शेट्टी नए कलाकारों की मदद के लिए हमेशा आगे रहे हैं। वह एक फंडिंग प्लेटफॉर्म भी चलाते हैं जिसका नाम है हॉर्सेस स्टेबल। इसके लिए सुनील ने नीति केंद्र और अटल इन्क्यूबेशन सेंटर की भी मदद ली है।

माधवन की धोखा का सामने आया फर्स्ट लुक

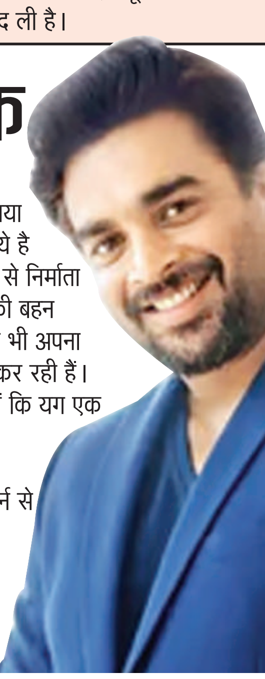

अभिनेता आर माधवन हाल ही में फिल्म रॉकेट्रीः द नंबी इफेक्ट में नजर आए हैं। इसरो साइंटिस्ट नंबी नारायण के जुनून और जज्बे की कहानी दिखाती इस फिल्म को दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। अब एक बार फिर वह फिल्म धोखा राउंड डी कॉर्नर से दर्शकों के बीच धमाल करने को तैयार हैं। फिल्म से किरदारों का पहला लुक भी सामने आ गया है। कुछ दिनों पहले ही आर माधवन की नई फिल्म धोखा राउंड डी कॉर्नर की रिलीज डेट की घोषणा हुई है। इसके बाद से ही फिल्म को लेकर फैंस ने अपनी

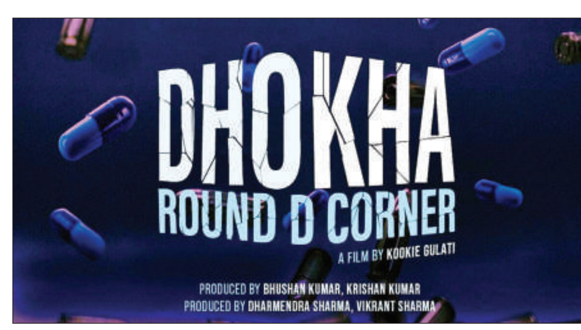

एक्साइटमेंट दिखाने शुरू कर दिए थे। अब इस फिल्म में कौन-कौन से किरदार किस रोल में होंगे, इसका खुलासा भी हो गया है। ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने फिल्म का एक मोशन पोस्टर जारी किया है। इसमें आर माधवन के अलावा अपारशक्ति खुराना, दर्शन कुमार, खुशाली कुमार नजर आए हैं। मोशन पोस्टर में इन सितारों की हल्कि झलक दिखाई दी है। फिल्म को भूषण कुमार की कंपनी टी-सीरीज द्वारा निर्मित किया गया है। खास बात ये है कि इस फिल्म से निर्माता भूषण कुमार की बहन खुशाली कुमार भी अपना बॉलीवुड डेब्यू कर रही हैं।

बताते चलें कि यग एक ऐसी फिल्म है, जिसमें आपको ट्विस्ट और टर्न से भरपूर सस्पेंस ड्रामा और किरदारों के ग्रे शेड्स देखने को मिलेंगे।

अजब-गजब

मुंबई से लगभग तीन घंटे की दूरी पर मौजूद ये घाट

भारत का रहस्यमयी झरना, नीचे की बजाय ऊपर की ओर बहता है पानी

दुनिया में ऐसी कई रहस्यमयी जगहें हैं, जो सबके लिए पहेली बनी हुई हैं। वैज्ञानिक भी आज तक इनके रहस्य को सुलझा नहीं पाए हैं। भारत में भी कई ऐसी रहस्यमयी जगहें मौजूद हैं। भारत में एक ऐसी ही रहस्यमयी जगह है, जहां न्यूटन का गुरुत्वाकर्षण का नियम भी फेल हो जाता है। यह अनोखी जगह महाराष्ट्र में मौजूद है। यहां एक झरना है, जिसका पानी नीचे की बजाय ऊपर की ओर जाता है। ये अजीबोगरीब जगह नानेघाट पुणे में जुन्नार के पास महाराष्ट्र के पश्चिमी घाट में स्थित है। मुंबई से लगभग तीन घंटे की दूरी पर मौजूद ये घाट उल्टे झरने यानि रिवर्स वॉटरफॉल के लिए पूरी दुनिया में मशहूर है। इस जगह की सुंदरता मानसून में देखने लायक होती है। बारिश के समय यहां पानी ज्यादा होता है। इस वक्त इस झरने का पानी उड़कर ऊपर जाता हुआ दिखता है, तो बिल्कुल अलग किस्म का अनुभव होता है।

वैसे तो गुरुत्वाकर्षण के नियम के अनुसार किसी भी चीज को फेंका जाए तो वह चीज नीचे की तरफ ही जाएगी लेकिन यहां मामला उल्टा है। यह झरना ऊंचाई से नीचे गिरने के बजाय ऊपर आ जाता है। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया

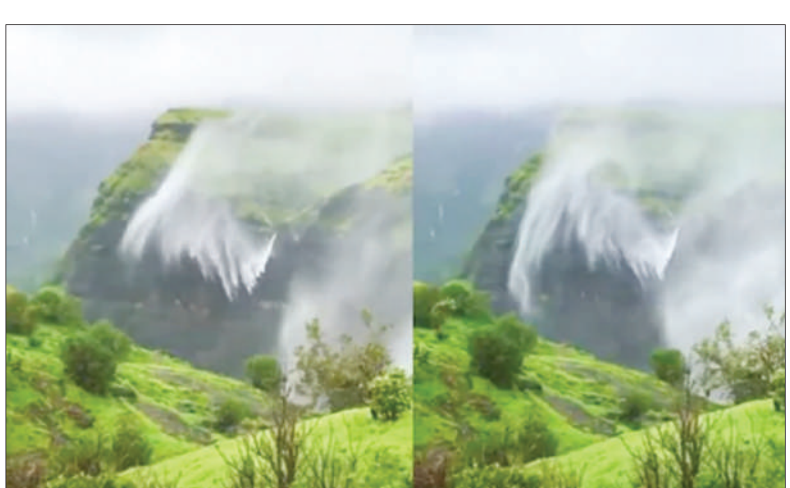

पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो को आईएफएस सुशांत नंदा ने अपने ट्विटर अकाउंट से साझा किया है। वायरल हो रहे वीडियो में झरने के पानी को नीचे से बजाय ऊपर उड़ता हुआ देखा जा सकता है। वीडियो के कैप्शन मे सुशांत नंदा ने लिखा कि जब हवा की रफ्तार का मैग्नीट्यूड गुरुत्वाकर्षण शक्ति के बराबर या ज्यादा होता है, तो ऐसा होता है। वैज्ञानिकों का भी यही मानना है कि इस जगह पर हवा बहुत तेज चलती है और हवाओं का बल गुरुत्वाकर्षण से ज्यादा हो जाता है और नीचे गिर रहे वॉटरफॉल का पानी ऊपर की ओर उड़ जाता है।

22 साल से बिना नहाए घूम रहा है एक शख्स अजीब वजहों से प्रतिज्ञा लेकर कर रहा है ऐसा

अपनी कठोर प्रतिक्षा के लिए सर्वस्व न्योछावर करने की परंपरा आपने महाभारत और रामायण काल के दौरान देखी सुनी होगी। जब लोग किसी न किसी वजह से ऐसा प्रण ले बैठते थे जो खुद के लिए ही मुश्किलें पैदा कर जाता था। लेकिन एक बात अटल थी कि प्राण जाएं पर वचन न जाए। ठीक इसी तर्ज पर एक बुजुर्ग अजीब सी प्रतिक्षा लेकर दो दशक से ज्यादा वक्त बिता चुके हैं लेकिन अब तक उन्होंने अपनी प्रतिज्ञा टूटने नहीं दी। बिहार के गोपालगंज के रहने वाले धर्मदेव ने 22 साल से पानी की एक बूंद भी अपने शरीर पर पड़ने नहीं दी। आलम ये हो गया कि बदन की बदबू के चलते उन्हें अपनी नौकरी से भी हाथ धोना पड़ा, लेकिन वो अपनी प्रतिज्ञा से पीछे नहीं हटे। इस प्रण के पीछे तीन बड़ी वजहें हैं जिनके खात्मे से पहले वो अपना प्रण नहीं तोड़ने वाले, भले ही उन्हें तोड़ने वाले खुद टूट जाएं। धर्मदेव की सौगंध है कि जब तक देश से महिलाओं के प्रति अत्याचार, जमीन विवाद और जीव हत्या खत्म नहीं होगी,वो नहीं नहाएंगे, चाहे जो हो जाए। साल 2003 में धर्मदेव की पत्नी की मौत हो गई, उस दौरान धर्म और कर्मकांड में नहाने की परंपरा होती है, लेकिन काफी कहने पर भी वो नही नहाए, फिर दो-दो बेटों की मौत का पहाड़ टूट पड़ा, तब भी इन्होंने न नहाने की कसम नहीं तोड़ी। जिसे लेकर गांव में तरह-तरह की बातें होने लगी। इतनी घोर प्रतिज्ञारत होने की अजीब ज़िद को गांव वाले अब मानसिक बीमारी और तंत्र-मंत्र का मामला कहने लगे हैं. लेकिन धर्मदेव को किसी भी बात से कोई फर्क नहीं पड़ता। दृढ़ प्रतिज्ञ धर्मदेव भगवान राम के भक्त हैं. और उन्हीं की तरह अपने वचन और सौगंध को मरते दम तक निभाने के लिए भी संकल्पित हैं. धर्मदेव कोलकाता में एक जूट फैक्ट्री में काम करते थे। लेकिन ना नहाने की कसम के चलते ही उनकी नौकरी चली गई करने। लेकिन इससे उसे फर्क नहीं पड़ा। शरीर से बदबू भी आती है और लोग उसे नहाने के लिए भी कहते हैं, लेकिन वह नहाने के लिए बिल्कुल भी तैयार नहीं है। इन सबके बीच दशकों से न नहाने वाले 62 साल के बुजुर्ग कभी बीमार भी नहीं पड़ते। आपको बता दें, कि इसी तरह ईरान के अमो हाजी भी बीते 67 सालों से नहाए ही नहीं. यह शख्स ईरान के रहने वाले हैं, जिनकी उम्र 87 साल है। इन्होंने इतने सालों में अपने शरीर पर पानी तक नहीं डाला है। इसलिए इन्हें दुनिया का सबसे गंदा इंसान भी कहा जाता है।

अब अस्पताल में भर्ती मरीजों का हाल लेंगे सीएमओ और प्राचार्य

» डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने दिए निर्देश, लापरवाही पर होगी कार्रवाई

» स्वास्थ्य आपका, संकल्प हमारा अभियान का बढ़ाया गया दायरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के अस्पतालों में भर्ती मरीजों की सेहत का हाल अब मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य और मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) भी लेंगे। 22 जून, को डिप्टी सीएम बृजेश पाठक द्वारा शुरू किए गए अभियान स्वास्थ्य आपका, संकल्प सरकार का दायरा बढ़ाया जा रहा है। अभी तक हर दिन उपमुख्यमंत्री 10 मरीजों का हालचाल ले रहे थे। अब जिले में प्राचार्य व सीएमओ भी मोबाइल फोन से हर दिन 10-10 मरीजों का हाल लेंगे और चिकित्सा शिक्षा व स्वास्थ्य महानिदेशालय को इसकी जानकारी देंगे।

> "कुछ जन प्रतिनिधियों ने स्वास्थ्य आपका संकल्प सरकार का अभियान का दायरा बढ़ाने का सुझाव दिया था। जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं दिलाना हमारी प्राथमिकता है। ऐसे में अभियान का दायरा और बढ़ा दिया गया है अगर मरीजों को अस्पताल में परेशानी हुई तो जिम्मेदारों पर कार्रवाई होगी।
> -बृजेश पाठक, उपमुख्यमंत्री

राज्य सरकार की ओर से लोगों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में फीडबैक अब जिलास्तर पर जुटाया जाएगा। मरीजों व तीमारदारों द्वारा बताई गई समस्याओं का निराकरण कराया जाएगा। चिकित्सा शिक्षा विभाग और स्वास्थ्य विभाग की ओर से इस संबंध में आदेश जारी कर दिए गए हैं। महानिदेशालय स्तर से इसकी सख्त निगरानी की जाएगी। फिलहाल इस पहल से मरीजों को और राहत मिलेगी। गौरतलब है कि उपमुख्यमंत्री अभी तक 360 मरीजों से संवाद कर चुके हैं। निर्देश दिए गए हैं कि भर्ती मरीजों या उनके तीमारदारों का डाटा मोबाइल फोन सहित उपलब्ध कराया जाए। मरीजों को इलाज व अन्य सुविधाएं हर हाल में बेहतर ढंग से उपलब्ध कराई जाएं। मरीजों की शिकायत पर लापरवाही बरतने वाले डाक्टर व स्वास्थ्य कर्मियों पर कार्रवाई की जाए।

सोनिया गांधी मेरी गार्जियन हैं: चौधरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विपक्षी दल के लोक सभा नेता अधीर रंजन चौधरी के बयान के चलते कांग्रेस पार्टी को बीते खूब फजीहतों का सामना करना पड़ा। भाजपा ने लोक सभा के अंदर और बाहर कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। साथ ही अधीर रंजन चौधरी से माफी की मांग की। वहीं अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लेकर की गई टिप्पणी केवल गलती से निकल गई।

अधीर रंजन चौधरी ने कहा, 'बाद में, मैं अध्यक्ष के पास गया, उनसे विनती की कि मुझे मेरे खिलाफ लगाए गए आरोपों का जवाब देने की अनुमति दी जाए। सोनिया गांधी भी स्पीकर ओम बिरला से कहा कि अधीर को जवाब देने का मौका दिया जाना चाहिए। यह मेरे संसदीय करियर का एक यादगार दिन है। मुझे लगा कि मैं अनाथ नहीं हूं। सोनिया गांधी में मेरे अभिभावक हैं। उन्होंने कहा कि मीडियाकर्मियों के सवाल के जवाब देने के दौरान जुबान फिसलने के चलते राष्ट्रपति की जगह राष्ट्रपत्नी निकल गया।

अर्पिता ने खोले पार्थ चटर्जी के राज, कहा

घर को बना दिया था मिनी बैंक कमरे में जाने की नहीं थी इजाजत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। ममता सरकार के बर्खास्त मंत्री पार्थ चटर्जी की करीबी बंगाली एक्ट्रेस और मॉडल अर्पिता मुखर्जी के पास से ईडी को छापेमारी में अब तक 50 करोड़ कैश और सोना मिल चुका है। पूछताछ में अर्पिता ने पार्थ चटर्जी के कई राज खोले हैं। ईडी ने अर्पिता के साउथ कोलकाता के फ्लैट से 21 करोड़ रुपये जब्त किए थे, जिसके बाद उनकी और पार्थ की गिरफ्तारी हुई थी। बुधवार को एजेंसी ने बेलगारिया में उनके एक और फ्लैट पर रेड डाली जहां से 29 करोड़ रुपये बरामद हुए थे।

» ईडी को छापेमारी में अब तक मिल चुका है 50 करोड़ कैश और सोना

ईडी के एक अधिकारी ने कहा कि अर्पिता मुखर्जी का दावा है कि उन्हें उन कमरों में जाने की इजाजत नहीं थी। पार्थ चटर्जी के आदमी यहां आते थे और पैसे रखते थे। अर्पिता का दावा है कि ये पैसे पार्थ चटर्जी के हैं। पार्थ और उनके लोग फ्लैट पर आया करते थे। उन्होंने ही ये पैसे रखे होंगे। उन्हें पैसे रखे जाने की जानकारी थी लेकिन उन्हें यह नहीं पता था कि कितना धन है। अर्पिता ने दावा किया कि पार्थ ने उसके फ्लैटों को मिनी बैंक के रूप में इस्तेमाल किया। ईडी की ओर से स्कूल भर्ती घोटाले में गिरफ्तार मंत्री पार्थ चटर्जी को पश्चिम बंगाल सरकार ने बर्खास्त कर दिया है।

लोगों को फंसा रहे हैं फर्जी लोन ऐप बिना ऋण लिए भी हो जाते हैं कर्जदार

» जालसाज लोगों को कर रहे ब्लैकमेल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

झांसी। यदि आप घर, गाड़ी या अपनी जरूरत की कोई अन्य चीज खरीदने के लिए लोन लेने पर विचार कर रहे हैं तो सावधान हो जाए क्योंकि इन दिनों फर्जी लोन ऐप झांसी में भी बैंक के ग्राहकों के साथ धोखाधड़ी कर रहे हैं। फर्जी तरीके से लोन ऐप चलाने वाले गिरोह ने ठगी का इन दिनों नया तरीका निकाल लिया है, जिसमें लोगों को बिना कर्ज लिए वसूली के संदेश मिल रहे हैं और साथ उन्हें ब्लैकमेल किया जा रहा है।

झांसी पुलिस साइबर सेल में इन दिनों फर्जी लोन ऐप से ठगी करने की कई शिकायतें दर्ज की गई हैं। बताया जा रहा है कि लोगों को कर्ज भुगतान से संबंधित संदेश मिल रहे हैं, भले ही उन्होंने कोई कर्ज नहीं लिया है। जालसाज ऐसे किसी व्यक्ति को मैसेज करते हैं, जिसने पहले से लोन लिया हुआ है। मैसेज में लिखा होता है कि आपने जो कर्ज लिया था, उसकी ड्यू डेट आज खत्म हो रही है और तुरंत पैसे का भुगतान करें। मैसेज के साथ में नीचे दिए गए एक लिंक पर भी क्लिक करने के लिए संदेश में लिखा होता है। मैसेज में ठग धमकी देते हैं कि अगर आपने समय पर पैसे नहीं दिए तो आपकी फोटो और अन्य डिटेल्स आपके सभी कॉन्टैक्ट्स को शेयर कर दी जाएगी। लोग कानूनी परेशानी से बचने के लिए पैसे दे देते हैं। साथ ही कई लोगों चेक करने के लिए मैसेज में दी गई लिंक पर क्लिक कर देते हैं। लिंक पर क्लिक करने के बाद फोन हैक हो जाता है और ठग खाते से पैसे को अपने खातों में ट्रांसफर कर लेता है। ऐसे में सबसे पहले लोगों को ऐसे किसी भी मैसेज को इग्नोर करना चाहिए। मैसेज में दिए गए लिंक पर क्लिक न करें और पुलिस को इसकी जानकारी दें।

मंकी पॉक्स को लेकर झांसी में अलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» अस्पतालों में बेड रिजर्व, डीएम ने किया निरीक्षण

झांसी। देशभर में मंकी पॉक्स के मरीज मिलने के बाद झांसी में भी स्वास्थ्य विभाग ने मंकी पॉक्स को लेकर अलर्ट जारी कर दिया है। झांसी जिला अस्पताल और झांसी के महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज में आने वाले मरीजों की जांच की जा रही है।

अस्पतालों में जो भी मरीज बुखार और सूजन से पीड़ित हैं, उनकी गहन जांच की जा रही है। इसके साथ ही स्वास्थ्य विभाग आम लोगों को सजग रहने की अपील भी कर रहा है। झांसी रेलवे स्टेशन पर जो लोग बाहर से आ रहे हैं, उनकी भी सतत निगरानी रखी जा रही है। झांसी जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार लगातार जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज की खुद निगरानी में लगे हुए हैं। मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पताल में मंकी पॉक्स के मरीजों के लिये 10-10 बेडों को रिजर्व रखा गया। जिलाधिकारी ने मंकी पॉक्स के मरीजों की देखरेख के लिये एक टीम भी गठित की है।

तो जनता के मुद्दे उठाने पर सांसदों के हो रहे निलंबन!

» 4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धजनों ने किया मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह को बुधवार को राज्य सभा से निलंबित कर दिया है। एक दिन पहले उन्होंने चेयर की तरफ नारेबाजी करते हुए कागज फाड़कर उछाले थे, जिसके बाद यह कार्रवाई हुई। ऐसे में सवाल उठता है कि आम आदमी की आवाज उठाने पर सांसदों का निलंबन कहां तक उचित है? इस मुद्दे पर आप नेता प्रियंका कक्कड़, शुभ लक्ष्मी एजुकेशनिस्ट, सीपी राय लेखक व चिंतक, डॉ राकेश पाठक वरिष्ठ पत्रकार और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

डॉ. सीपी राय ने कहा लोकतंत्र का आधार है संवाद। पुरातन शिक्षा भी संवाद का हिस्सा रही। लोकतंत्र भी उसी से मजबूत होता है कि एक दल ने बोलना बंद किया तो दूसरे ने जारी किया। संवाद होते रहना चाहिए। प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि इस सरकार के पास कोई जवाब नहीं है। महंगाई का जवाब नहीं, पेगासस का जवाब नहीं, इनके पास कई चीजों का जवाब नहीं है। गुजरात में शराब से कई मौतें हो गई, कोई चर्चा नहीं हुई इस पर। संजय सिंह ने ये मुद्दा उठाया वे इस पर भाग रहे हैं। डॉ. राकेश पाठक ने कहा कि अरूण जेटली का बयान है कि सदन को बाधित करना भी लोकतंत्र है। लालकृष्ण आडवाणी, सुषमा स्वराज भी ऐसे बयानों से बखान करते थे कि सदन को न चलने देना भी लोकतांत्रिक है। सदन को चलाना सरकार की जिम्मेदारी है। यूपीए टू में 68 फीसदी समय तत्कालीन प्रतिपक्ष भारतीय जनता पार्टी ने जाया किया था। मोदी ने कहा कि गुजरात मॉडल लाएंगे। देश में तो सत्तापक्ष तो हावी ही होगा। प्रतिपक्ष की बात कम सुनी जाएगी। शुभ लक्ष्मी ने कहा जब मैं ऑर्टिकल पढ़ती हूं तो बड़ा मजा आता है। बंगाल का पार्थ कम, चिकन ज्यादा छप रहा है। इतने घंटे सदन के बर्बाद हुए इन लोगों के स्ट्राइक की वजह से ये छप रहा है जबकि जो मुद्दे हैं देश के उनको दबाया जा रहा है, वे नदारद है। डेमोक्रेसी का मतलब ही खत्म हो गया, लोगों के बोलने का ही मतलब खत्म हो गया।

13 आईएएस के तबादले, प्रयागराज के कमिश्नर बने कौशल राज

वाराणसी समेत पांच जिलों के डीएम बदले, 20 वरिष्ठ पीसीएस भी स्थानांतरित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। शासन ने देर रात पांच जिलों के डीएम समेत 13 आईएएस अधिकारियों के तबादले कर दिए हैं। 20 वरिष्ठ पीसीएस अफसरों को भी नई तैनाती मिली है। आईएएस के तबादलों में सबसे बड़ा नाम परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक राजेंद्र प्रताप सिंह को चित्रकूट का आयुक्त बनाया गया है। वाराणसी के डीएम कौशल राज शर्मा को प्रयागराज का आयुक्त बनाया गया है। उनकी जगह एस राजलिंगम को वाराणसी का जिलाधिकारी बनाया गया है।

सचिव वित्त विभाग संजय कुमार को प्रबंध निदेशक परिवहन निगम बनाया गया है। आयुक्त प्रयागराज संजय गोयल को आयुक्त झांसी मंडल बनाया गया है। जिलाधिकारी उन्नाव रविंद्र कुमार को जिलाधिकारी कुशीनगर बनाया गया है। जिलाधिकारी फतेहपुर अपूर्वा दुबे को उन्नाव जिलाधिकारी बनाया गया है। जिलाधिकारी बलरामपुर श्रुति को जिलाधिकारी फतेहपुर बनाया गया है। मुख्य विकास अधिकारी कानपुर नगर डॉ.महेंद्र कुमार को जिलाधिकारी बलरामपुर बनाया गया है। मुख्य विकास अधिकारी अंबेडकरनगर सुधीर कुमार को मुख्य विकास अधिकारी कानपुर नगर बनाया गया है। उपाध्यक्ष मेरठ विकास प्राधिकरण मृदुल चौधरी को परियोजना प्रशासक, ग्रेटर शारदा सहायक समादेश क्षेत्र विकास प्राधिकारी, उत्तर प्रदेश, लखनऊ बनाया गया है। अपर आयुक्त वाणिज्यकर लखनऊ सुधा वर्मा को संयुक्त राज्य निर्वाचन आयुक्त, राज्य निर्वाचन आयोग, उत्तर प्रदेश लखनऊ बनाया गया है। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट जौनपुर हिमांशु नागपाल को ज्वाइंट मजिस्ट्रेट कानपुर बनाया गया है। झांसी के कमिश्नर 31 को रिटायर होंगे। आईएएस अधिकारी मृदुल चौधरी, सुधा वर्मा और हिमांशु नागपाल का स्थानांतरण आदेश आज से ही प्रभावी है जबकि अन्य वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों का स्थानांतरण आदेश 31 जुलाई के दोपहर से प्रभावी होगा।

इन पीसीएस के हुए तबादले

पूजा अग्निहोत्री उप निदेशक पर्यटन। गौरव शुक्ला उप निदेशक बाल विकास। नंदलाल सिंह संयुक्त आयुक्त ग्राम्य विकास। सचिन कुमार सिंह कुलसचिव एपीजी कलाम आजाद प्राविधिक विश्वविद्यालय। ऋतु पुनिया अपर जिलाधिकारी प्रशासन बरेली। विजय कुमार सिंह अपर जिलाधिकारी प्रशासन बदायूं। सर्वेश कुमार गुप्ता मुख्य राजस्व अधिकारी मिर्जापुर। राजीव पांडेय सचिव विकास प्राधिकरण मुरादाबाद। राकेश कुमार गुप्ता अपर जिलाधिकारी श्रावस्ती। सुशीला अपर नगर आयुक्त आगरा। गरिमा सिंह सचिव विकास प्राधिकरण आगरा। केशव नाथ अपर जिलाधिकारी कानपुर देहात। राजेश कुमार नगर मजिस्ट्रेट बांदा। कुंवर पंकज अपर जिलाधिकारी न्यायिक श्रावस्ती। गौरव श्रीवास्तव अपर जिलाधिकारी देवरिया। सत्यप्रिय सिंह नगर मजिस्ट्रेट प्रयागराज। रजनीश राय उप भूमि व्यवस्था आयुक्त। सत्य प्रकाश सिंह मुख्य राजस्व अधिकारी जौनपुर। वैभव मिश्रा अपर जिलाधिकारी मेरठ। अविनाश चंद्र मौर्य उप निदेशक मंडी परिषद।

आजमगढ़ सांसद निरहुआ को भेजा खून से लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रामपुर। भारतीय सेना में अहीर रेजिमेंट गठन की मांग के लिए लगातार आवाज उठा रहे कबड्डी खिलाड़ी सुनील यादव ने आजमगढ़ सांसद दिनेश लाल यादव निरहुआ को खून से लिखा पत्र भेजा है। पत्र में कहा कि लोकसभा उपचुनाव के दौरान सांसद ने वादा किया था कि यदि आप जीतेंगे तब देश के प्रधानमंत्री के समक्ष अहीर रेजिमेंट का मुद्दा रखेंगे।

इसी क्रम में रामपुर से सुनील यादव और उनके साथियों ने आजमगढ़ में दिनेश लाल यादव का घेराव कर रेजिमेंट गठन मांग के लिए ज्ञापन भी सौंपा था। पत्र में कहा कि आपने जो वादा किया है आप उसे याद कर जल्द से जल्द देश के प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री के समक्ष अहीर रेजिमेंट का मुद्दा रखने का काम करें। आजादी से पूर्व और पश्चात अहीर बिरादरी ने कारगिल और रेजांगला जैसे युद्ध में अपने प्राणों की आहुति दी है। ऐसे में आपसे उम्मीद करते हैं कि आप वीर सैनिकों के सम्मान हेतु अहीर रेजिमेंट गठन का मुद्दा प्रधानमंत्री के समक्ष रखेंगे। साथ ही निरहुआ से अपील भी है कि वे आजमगढ़ की तरह रामपुर की समस्याओं का भी निस्तारण कराएं।

फोटो: सुमित कुमार

झांसी स्टेशन से गायब हुआ 'जनता खाना'

15 की जगह 150 में खाना खरीदने को मजबूर यात्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

झांसी। झांसी मंडल के रेलवे स्टेशनों पर इन दिनों यात्रियों को जनता खाना नहीं मिल रहा है जिससे आम यात्रियों की परेशानी काफी बढ़ गई है। ऐसे में आम यात्रियों के लिए सस्ता भोजन उपलब्ध कराने के लिए शुरू की गई रेलवे की जनता खाना योजना दम तोड़ती दिखाई दे रही है। वहीं ठेकेदारों उच्च श्रेणी में यात्रा करने वालों की 150 रुपए थाली खाना बेच रहे हैं।

रेलवे के नियम के मुताबिक स्टेशन के हर स्टॉल पर जनता खाना की बिक्री आवश्यक रूप से की जाए। इसके तहत स्टेशनों पर यात्रियों को 15 रुपए में एक डिब्बे में पांच पूड़ी, आलू की सूखी सब्जी, अचार के साथ 2 हरी मिर्च दी जाती हैं। जनता खाना बेचने पर ठेकेदार को मुनाफा कम होता है, लिहाजा वह कुछ पैकेट बेच कर इसे बंद कर देता है। झांसी रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म एक पर बने सभी स्टॉलों पर कहीं भी जनता खाना उपलब्ध नहीं है। गौरतलब है कि रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में आर्थिक रूप से कमजोर यात्रियों के लिए रेलवे ने यह सेवा शुरू की थी। वहीं खानपान का कारोबार करने वाली कंपनी ने अपने कर्मचारियों से कह रखा है कि जनता खाना कोई मांगता है तो मना नहीं करना है,बल्कि उनसे यही कहना है कि इसके लिए आपको इंतजार करना होगा। लिहाजा यात्रियों को रेलवे स्टेशन पर बने रेस्तरां से महंगा खाना खरीदना पड़ रहा है। रेस्तरां में 150 रुपए से थाली खाना मिलता है। झांसी पीआरओ मनोज कुमार का कहना है कि स्टाल पर जनता खाना मिलना चाहिए और मिल भी रहा है। अगर किसी स्टॉल पर जनता खाना उपलब्ध नहीं है, तो नियमानुसार उचित कार्रवाई की जाएगी।

खानपान ठेकेदार और फूड प्लाजा नहीं उपलब्ध कराते जनता का खाना

चार दिन सुहाना रहेगा मौसम बारिश देगी गर्मी से राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उमस से बेहाल यूपी वालों के लिए आज का दिन राहतभरा रहा। राजधानी लखनऊ में सुबह से ही टिप-टिप कर पानी बरसता रहा। कभी तेज तो कभी धीमे बरसात अलग-अलग इलाकों में हो रही है। अगले तीन से चार दिन तक मध्यम से तेज बारिश होती रहेगी। हालांकि उमस का सामना भी करना पड़ सकता है। सुबह से रुक-रुककर हुई धीमी बारिश किसानों के लिए काफी फायदेमंद मानी जा रही है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार अगले तीन से चार दिन अच्छी बारिश की उम्मीद है। हल्की से मध्यम बारिश का सिलसिला लगातार बना रहेगा। यदि पहली अगस्त तक बारिश होती है तो जुलाई में वर्षा औसत से अधिक हो जाएगी। इससे संभावित सूखे का खतरा समाप्त हो जाएगा।

अर्पिता मुखर्जी के तीसरे फ्लैट पर भी ईडी की रेड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

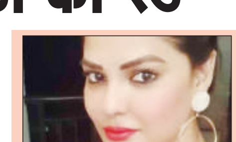

दो ठिकानों से मिला 49 करोड़ कैश और सोना

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में ईडी की छापेमारी अभी भी जारी है। पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी की करीबी अर्पिता के ठिकानों पर छापेमारी के दौरान कैश और गोल्ड मिला। दो ठिकानों पर हुई छापेमारी के बाद अब ईडी ने अर्पिता के तीसरे ठिकाने पर रेड मारी है। ईडी ने चिनार पार्क इलाके में स्थित तीसरे अपार्टमेंट में छापेमारी की।

बता दें कि अर्पिता के दो फ्लैट से ईडी अब तक करीब 50 करोड़ रुपये बरामद कर चुकी है। एजेंसी के एक अधिकारी ने बताया कि ये छापेमारी गुरुवार शाम की गई है। उन्होंने कहा कि चूंकि फ्लैट का दरवाजा बंद था और चाबियों का पता नहीं चल सका था, इसलिए ईडी के अधिकारियों ने केंद्रीय बल के अधिकारियों की मौजूदगी में इसे खोल दिया। ईडी को शक है कि अर्पिता मुखर्जी के इस फ्लैट से भी कैश बरामद हो सकता है। ईडी आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि यहां किस तरह की गतिविधियां की गईं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक बबिता चतुर्वेदी के लिए 4पीएम आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। प्रधान संपादक- अर्चना दयाल, संपादक - संजय शर्मा, स्थानीय संपादक - सूर्यकांत त्रिपाठी*, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।